संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -165 बुधवार , 17 अप्रैल 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

महामंडलेश्वर पीएम मोदी के सामने नहीं लड़ेंगी चुनाव?

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने चुनाव नहीं लड़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि अखिल भारत हिंदू महासभा ने फैसला वापस ले लिया है। संत महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि महाराज द्वारा वीडियो जारी करते हुए इस बात की जानकारी दी गई है। वहीं किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी का कहना है कि उनसे झूठ बोला गया हैऔर उनके साथ धोखा हुआ है।

हाईकोर्ट ने शादी के रिसेप्शन को विवाह का हिस्सा नहीं माना

मुंबई,16 अप्रैल 2024 (ए)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को तलाक विवाद से जुड़े एक मामले में बेहद अहम फैसला दिया। कोर्ट ने कहा कि शादी के रिसेप्शन को विवाह का हिस्सा नहीं माना जा सकता है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि विवाह के बाद किसी दूसरे स्थान पर दंपति का रिसेप्शन संबंधित पारिवारिक न्यायालय को पति-पत्नी के बीच वैवाहिक विवादों को तय करने का अधिकार क्षेत्र नहीं प्रदान कर सकता है। कोर्ट ने बांद्रा की पारिवारिक अदालत द्वारा महिला के खिलाफ पारित आदेश को रद्द कर दिया।

तीन बार रेकी,पांच बार फायरिंग

मुंबई,16 अप्रैल 2024 (ए)। सलमान खान फायरिंग मामले में ज्वाइंट कमिश्नर लख्मी गौतम ने अब तक की जांच के बारे में बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिससे कई बड़े खुलासे हुए हैं। सीसीटीवी में दिख रहा है कि दो बाइक सवार युवक सलमान खान के घर के परिसर के पास आते हैं और इसके बाद पीछे बैठा युवक लगातार एक या दो नहीं, बल्कि पांच बार फायरिंग करता है।

बैलट पेपर पर लौटने से भी कई नुकसान

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि सामान्यतःमानवीय हस्तक्षेप से समस्याएं उत्पन्न होती हैं समस्या तब उत्पन्न होती है जब मानवीय हस्तक्षेप होता है...

ईव्हीएम पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट का बयान...

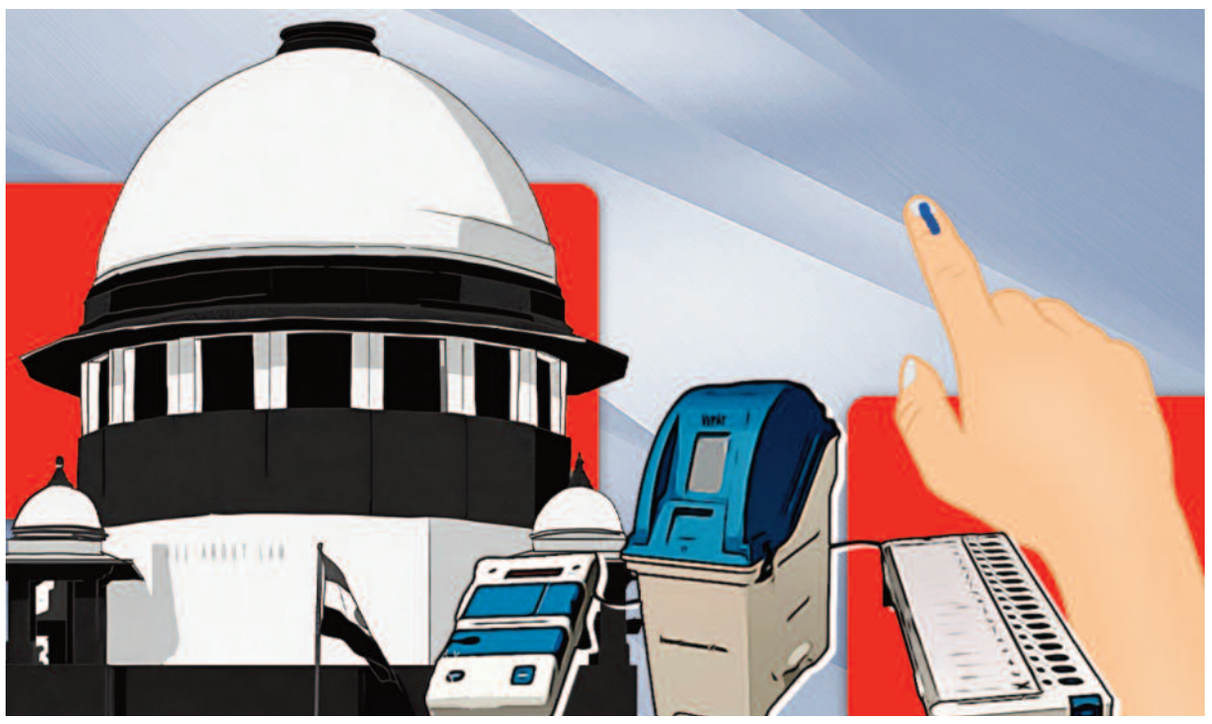

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। चुनाव में ईव्हीएम की जगह मतपत्रों के उपयोग को लेकर जारी चर्चाओं के बीच मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बैलट पेपर पर लौटने से भी कई नुकसान हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना ने ईव्हीएम को हटाने की याचिका के पक्ष में अपनी बात रख रहे प्रशांत भूषण से पूछा कि अब आप क्या चाहते हैं? प्रशांत भूषण ने कहा कि पहला बैलेट पेपर पर वापस जाएं।. दूसरा फिलहाल 100 फीसदी वीवीपैट मिलान हो। अदालत ने कहा कि देश में 98 करोड़ वोटर हैं। आप चाहते हैं कि 60 करोड़ वोटों की गिनती हो.प्रशांत भूषण ने कहा कि बैलेट से वोट देने का अधिकार दिया जा सकता है या वीवीपैट मे जो पर्ची है उसे मतदाताओं को दिया जाए।

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि सामान्यतः मानवीय हस्तक्षेप से समस्याएं उत्पन्न होती हैं। समस्या तब पैदा होती है जब मानवीय हस्तक्षेप होता है या जब वे सॉफ्टवेयर या मशीन मे अनधिकृत परिवर्तन करते हैं। यदि आपके पास इसे रोकने के लिए कोई सुझाव है, तो आप हमें दे सकते हैं।

प्रशांत भूषण ने क्या कहा?

प्रशांत भूषण ने वीवीपैट की पर्ची मतदाताओं को देने की मांग के साथ कहा कि मतदाता उसे एक बैलेट बॉक्स मे डाल दे. अभी जो वीवीपैट है उसका बॉक्स ट्रांसपेरेंट नहीं है.सिर्फ सात सेकेंड के लिए पर्ची वोटर को दिखाई देती है.

व्हीव्हीपीएटी की गिनती में लग जाएंगे 12 दिन

वकील संजय हेगड़े ने मांग की कि ईवीएम पर पड़े वोटों का मिलान वीवीपैट पर्चियों से किया जाना चाहिए। जस्टिस खन्ना क्या 60 करोड़ वीवीपैट पर्चियों की गिनती होनी चाहिए? वकील गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि चुनाव आयोग का कहना है कि सभी वीवीपैट पर्चियों की गिनती में 12 दिन लगेंगे। एक वकील ने वोट देने के लिए बारकोड का सुझाव दिया। जस्टिस खन्ना ने कहा कि अगर आप किसी दुकान पर जाते हैं तो वहां बारकोड होता है। बारकोड से गिनती में मदद नहीं मिलेगी जब तक कि हर उम्मीदवार या पार्टी को बारकोड न दिया जाए और यह भी एक बहुत बड़ी समस्या होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईव्हीएम सही काम कर रहीं है या नहीं ये जानने के लिए हमें डेटा चाहिए होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से डेटा मांगा है। कुछ मिसमैच ह्यूमन एरर की वजह से है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा-जर्मनी का उदाहरण मत दीजिए...

याचिकाकर्ता के वकील द्वारा जर्मनी के सिस्टम के उदाहरण देने पर जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि मेरे गृह राज्य पश्चिम बंगाल की जनसंख्या जर्मनी से भी अधिक है। हमें किसी पर भरोसा और विश्वास जताना होगा। इस तरह से व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश मत करिए। इस तरह के उदाहरण मत दीजिए।.यह एक बहुत बड़ा काम है...। और यूरोपीय उदाहरण यहां काम नहीं आते। ईव्हीएम पर सुनवाई 18 अप्रैल को जारी रहेगी। एक वकील ने आरोप लगाया कि ईवीएम को पब्लिक सेक्टर यूनिट की कंपनियां बनाती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या प्राइवेट कंपनी ईवीएम बनाएगी तो आप खुश होंगे.अगली सुनवाई गुरूवार 18 अप्रैल को होगी।

तिहाड़ में बंद केजरीवाल बोले...मैं आतंकवादी नहीं हूं

» संजय सिंह ने अरविंद का संदेश पढ़ा...

» कहा...पीएम मोदी के मन में बदले की भावना

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने मंगलवार (16 अप्रैल) को कहा, सीएम केजरीवाल ने तिहाड़ से जनता के नाम एक चिट्ठी लिखी है। संदेश भेजा है कि मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं।

संजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। पीएम मोदी नफरत में इतने आगे बढ़ चुके हैं कि केजरीवाल की उनकी पत्नी और परिवार वालों से मुलाकात के बीच में शीशे की दीवार खड़ी करवाते हैं। उन्होंने कहा कि जेड प्लस सिक्योरिटी वाले पंजाब के सीएम को दिल्ली के तीन बार के सीएम से कांच (ग्लास सेक्शन) के जरिए मिलना पड़ता है। बीजेपी की इस हरकत ने जाहिर कर दिया है कि उनके मन में केजरीवाल के लिए नफरत और बदले की भावना भर चुकी है।

भाजपा केजरीवाल को तोड़ने की कोशिश कर रही है। उनके साथ जेल में जो व्यवहार किया जा रहा है, उससे केजरीवाल और मजबूत होंगे।

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ अमानवीय व्यवहार होने का आरोप लगाया है।जेल के नियम 602 और 605 के मुताबिक, फेस-टु-फेस मीटिंग कराई जा सकती है। खूंखार अपराधियों की भी परिवारवालों से बैरक में मुलाकात होती है, लेकिन सुनीता को जेल प्रशासन ने कांच की खिड़की के जरिए मिलने की इजाजत दी है। प्रशासन भाजपा के दबाव में है।

यूपीएससी 2023 परीक्षा का रिजल्ट जारी

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया है। अभ्यर्थी अपना परिणाम यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट यूपीएससी.जीओव्ही.आईएन पर चेक कर सकते हैं। परीक्षा में आदित्य श्रीवास्तव ने टॉप किया है। अनिमेष प्रधान दूसरे, दोनुरु अनन्या रेड्डी तीसरे, पीके सिद्धार्थ रामकुमार चौथे और रुहानी 5 वें पायदान पर रहे। नीचे आप पहले 100 टॉपरों की लिस्ट देख सकते हैं। आईएएस, आईएफएस और आईपीएस समेत 1143 वैकेंसी के लिए 1016 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की सिफारिश की गई है। इनमें से 347 जनरल कैटेगरी के हैं। 115 ईब्ल्यूएस, 303 ओबीसी, 165 एससी, 86 एसटी कैटेगरी के हैं। 355 अभ्यर्थियों का रिजल्ट प्रोविजनल रखा गया है। परीक्षार्थियों के मार्क्स रिजल्ट की घोषणा के करीब 15 दिन बाद जारी किए जाएंगे। 9 अप्रैल 2024 तक यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के इंटरव्यू चले थे। इंटरव्यू राउंड की शुरुआत 2 जनवरी से हुई थी। मुख्य परीक्षा में सफल होने वाले लगभग 2846 उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 के तहत आईएएस, आईपीएस समेत सर्विसेज में 1143 पदों पर भर्ती निकाली थी। इसमें आईएएस के 180, आईपीएस के 200, आईएफएस के 37 के पद थे।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा का फाइनल रिजल्ट जारी

1. 2629523 आदित्य श्रीवास्तव
2. 6312512 अनिमेष प्रधान
3. 1013595 डोनुरु अनन्या रेड्डी
4. 1903299 पी के सिद्धार्थ रामकुमार
5. 6312407 रूहानी 6. 0501579 सृष्टि डबास 7. 3406060 अनमोल राठौड़ 8. 1121316 आशीष कुमार 9. 6016094 नौशीन 10. 2637654 ऐश्वर्यम प्रजापति

एएसआई की गोली मारकर हत्या

शूटर ने खुद को भी गोली मारकर उड़ाया

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में मंगलवार को दिनदहाड़े एक व्यक्ति ने दिल्ली पुलिस के एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारी ने बताया कि एक अन्य राहगीर भी गोली लगने से घायल हो गया। घटना के बाद हमलावर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक एएसआई की पहचान दिनेश शर्मा के रूप में हुई है। जबकि, घायल अमित कुमार को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कैफे विस्फोट मामले में बड़ा खुलासा

आतंकियों ने आईटी पार्कों को निशाना बनाने की बनाई थी योजना

बेंगलुरु,16 अप्रैल 2024 (ए)। रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले की जांच से पता चला है कि आतंकवादियों की योजना बेंगलुरु शहर के टेक कॉरिडोर में एक आईटी पार्क के परिसर में बम विस्फोट करने की थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपियों ने कबूल किया है कि कड़ी सुरक्षा के कारण वे आईटी पार्क के परिसर में बम नहीं रख सके। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हाल ही में कोलकाता में मामले के संदिग्ध हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को गिरफ्तार किया था।

सूत्रों ने कहा कि संदिग्ध आतकी देश की आईटी राजधानी कहे जाने वाले बेंगलुरु की छवि को नुकसान पहुंचाने और अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के लिए शुरुआत में व्हाइटफील्ड आईटी कॉरिडोर में एक आईटी पार्क को निशाना बनाना चाहते थे। बेंगलुरु में सबसे प्रतिष्ठित और सबसे पुराने इंटरनेशनल टेक पार्क बेंगलुरु (आईटीपीबी) परिसर में स्थित व्हाइटफील्ड में हजारों सॉफ्टवेयर पेशेवर काम करते हैं। इसे भारत की आईटी सफलता की कहानी का प्रतीक माना जाता है। इस क्षेत्र में कई और आईटी कंपनियां व आईटी पार्क स्थित हैं। लेकिन कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के चलते आतंकवादी उनमें से किसी में भी बम नहीं रख सके।

ऑटो सवार 7 लोगों की दर्दनाक मौत

मेट्रो की क्रेन से टकराई ऑटो

पटना,16 अप्रैल 2024 (ए)। बिहार की राजधानी पटना में बड़ा हादसा हो गया। जब मेट्रो की क्रेन से तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर हो गई। जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई। घटना न्यू बाइपास इलाके में रामलखन पथ पर हुई। मृतकों में बच्चे, महिलाएं भी शामिल हैं। सभी के शवों को पीएमसीएच भेजा गया है। ये दर्दनाक हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया है। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। मदद के लिए राहगीर भी दौड़ पड़े। लेकिन हादसा इतना भयंकर था। कि मौके पर ही 7 लोगों ने दम तोड़ दिया हादसे की वजह का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है। कि किसकी गलती से ये हादसा हुआ। मृतकों में जिन लोगों की पहचान हुई है। उनमें उपेंद्र कुमार, लछमन दास, अभिनंदन कुमार, इंद्रजीत कुमार, पिंकी देवी, नेहा प्रियदर्शी ओर रानी कुमारी के रूप में हुई है। मोतिहारी निवासी मुकेश कुमार साहनी घायल हैं। वहीं मरने वालों में पत्नी पिंकी देवी, बेटा अभिनंदन और बेटी रानी कुमारी शामिल है।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार

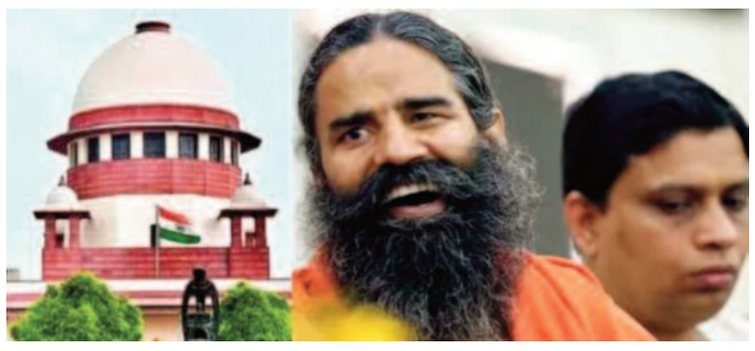

नईदिल्ली,16 अप्रैल 2024 (ए)। योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक बालकृष्ण ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि वे भ्रामक विज्ञापन मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार हैं। रामदेव और बालकृष्ण की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ से कहा, मैं सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार हूं।शीर्ष अदालत ने कक्ष में मौजूद रामदेव और बालकृष्ण को पीठ के साथ बातचीत के लिए आगे आने को कहा। पीठ ने कहा, उन्हें महसूस होना चाहिए कि उनका अदालत से जुड़ाव है। रामदेव और बालकृष्ण ने अपने उत्पादों की औषधीय प्रभावशीलता के बारे में बड़े-बड़े दावे करने वाले कंपनी के विज्ञापनों पर शीर्ष अदालत के समक्ष बिना शर्त'' माफी मांगी है। उच्चतम न्यायालय में दाखिल दो अलग-अलग हलफनामों में रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज ''बयान के उल्लंघन'' के लिए बिना शर्त माफी मांगी।

रामनवमी पर श्रद्धालुओं के लिए 20 घंटे खुला रहेगा रामलला का दरबार...

अयोध्या ,16 अप्रैल 2024 (ए)। अयोध्या में रामनवमी के दिन रामलला का दरबार श्रद्धालुओं के लिए 20 घंटे खुला रहेगा। मंगला आरती के बाद ब्रह्म मुहूर्त में 3:30 बजे से रामलला के दर्शन शुरू होंगे। श्रद्धालुओं को रात 11 बजे तक मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। दर्शन के बीच रामलला का अभिषेक और श्रृंगार भी चलता रहेगा। इस दिन करीब 15 लाख श्रद्धालुओं के देश-विदेश से अयोध्या पहुंचने का अनुमान है।

अयोध्या = अयोध्या में रामनवमी के दिन रामलला का दरबार श्रद्धालुओं के लिए 20 घंटे खुला रहेगा। मंगला आरती के बाद ब्रह्म मुहूर्त में 3:30 बजे से रामलला के दर्शन शुरू होंगे। श्रद्धालुओं को रात 11 बजे तक मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा। दर्शन के बीच रामलला का अभिषेक और श्रृंगार भी चलता रहेगा। इस दिन करीब 15 लाख श्रद्धालुओं के देश-विदेश से अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रामलला की श्रृंगार आरती सुबह 5 बजे होगी। दर्शन और सभी पूजन पहले जैसा चलता रहेगा। भगवान को भोग लगाने के लिए समय-समय पर थोड़ी देर के लिए पर्दा लगाया जाएगा।

संपादकीय

मुलायमियत न बरती जाए

हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के कनीना में उन्हाणी गांव के करीब स्कूल बस के पेड़ से टकराने पर छह बच्चों की मौत वाकई दिल कचोटने वाली है।हादसे के वक्त चालक नशे में था। बस में 43 बच्चों समेत एक शिक्षिका भी थी। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि 34 छात्र घायल हो गए, जिनमें से नौ आईसीयू में हैं। बस चालक, प्रधानाचार्या और स्कूल सचिव को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। चालक तेज गति से वाहन चला रहा था, मोड़ पर संतुलन खोने से बच्चे खिड़कियों से बाहर उछल कर गिर गए। मरने वाले छात्र 13 से 16 साल की उम्र वाले हैं। हादसे के बाद प्रशासन और नेताओं ने रस्मादायगी करने में देर नहीं की।इस दुर्घटना में पूर्व मंत्री के परिवार का बच्चा भी मारा गया है। दिल दहलाने वाले इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाएगी। साथ ही, विद्यालय पर सख्त कार्रवाई की बात भी हो रही है। पुनः यह बात नहीं की जा रही कि छात्रों की जिंदगी को जोखिम में डालने वालों पर नकेल कैसे डाली जाए। देश भर से कहीं-न-कहीं से इस तरह के हादसों की खबरें आती रहती हैं। स्कूलों के लिए विभिन्न नियम बनाए जाते हैं मगर उनको निर्धारित करने और उन्हें सख्ती से लागू करने वालों को जिम्मेदार नहीं बनाया जाता।थोक के भाव में गली-गली स्कूल खोले जा रहे हैं, उन पर दूर-दराज से बच्चों को लाने-ले जाने की परिवहन व्यवस्था करनी होती है जिसके प्रति बेहद लापरवाही बरती जाती है। जब भी इस तरह के हादसे महानगरों के बाहर होते हैं तो उन्हें उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय समेत संबंधित अधिकारियों को भी अहसास कराया जाना जरूरी है कि उन्होंने घोर लापरवाही बरती है। गैर-जिम्मेदारी सिर्फ मोटी रकम वसूलने वाले निजी विद्यालय ही करते, बल्कि सरकारी स्कूलों की स्थिति और भी खराब है।अभिभावकों के पास प्रायः न्यूनतम अधिकार होते हैं, उनकी शिकायतों की अनसुनी की जाती है। यदि वे सख्ती से किसी तरह की आलोचना करते हैं तो बच्चे के प्रति अनुचित बर्ताव होने की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, या उन्हें स्कूल से निलंबित करने की धमकियां दी जाती हैं। हादसे के बाद नये-नये नियम लादने से भी कोई सुधार नहीं होने वाला। मारे गए बच्चों के अभिभावकों की क्षतिपूर्ति तो असंभव है, मगर देश भर के शेष छात्रों के जीवन को जोखिम में डालने वालों के साथ किसी भी तरह की मुलायमियत न बरती जाए।

सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रवृत्ति के विरुद्ध खड़ा होने की जरुरत

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर जाकर उसे महान और मसीहा साबित करने की उस अभियान को आगे बढ़ाया जो उसकी मौत के समय से ही चल रहा है।उन्होंने कहा कि जनता ने जेल में रहते हुए मुख्तार को पांच बार विधायक बनाया तो इसका मतलब है कि वह जनता के दुख दर्द में शामिल रहे और उसी का परिणाम है कि जनाजे में इतनी अधिक भीड़ उमड़ी। उन्होंने बांदा जेल में मुख्तार की मृत्यु पर सरकार को घेरा तथा उसकी तुलना रूस में बिना नाम लिए विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में हुई मृत्यु से कर दी। मुख्तार अंसारी पिछले लंबे समय से जब भी वीडियो में आया काफी कमजोर दिखता था। व्हीलचेयर पर ही उसके बाहर निकलने या अंदर जाने की तस्वीरें आई थीं। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में अनेक बीमारियां लिखी हुई है। इतनी बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति की कभी भी किसी कारण से मृत्यु हो सकती है। वैसे भी बाहुबल और धनबल की बदौलत बादशाहत कायम करने की मानसिकता में जीने वाले व्यक्ति को जेल में आम अपराधी की तरह व्यवहार से मानसिक आघात लगना बिल्कुल स्वाभाविक है।प्रचार यही हो रहा है कि उसे मारा गया है। कुछ दिनों से उसके परिवार और वकील धीमा जहर देने का आरोप एक रणनीति के तहत लग रहे थे, जिसका उद्देश्य जमानत दिलाना या मन मुताबिक किसी जेल में शिफ्ट कराना था। मृत्यु से कुछ दिनों पहले बेटे से बातचीत के ऑडियो से उसके काफी अस्वस्थ व कमजोर होने के साथ गहरी निराशा में डूबे होने का पता भी चलता है। उसकी मृत्यु पर सपा, बसपा या कुछ अन्य पार्टियों, मजहबी नेताओं आदि ने जिस ढंग का माहौल बनाया है उसने आम व्यक्ति को उद्वेलित किया है। ऐसा कोई कारण नहीं दिखता जिससे प्रशासन या जेल या सरकार उसे तत्काल गैरकानूनी तरीके से मारने का कदम उठाए। इस समय उसकी मृत्यु से किसी को कुछ भी प्राप्त नहीं होने वाला था। योगी आदित्यनाथ सरकार की दृष्टि से यह स्थिति ज्यादा अनुकूल थी। मृत्यु के बाद उसे गरीबों का मसीहा और नायक बनाया जाना भय पैदा करता है।जितनी संख्या में उसके नमाज ए जनाजा में लोग शामिल हुए वह सामान्य अवस्था का द्योतक नहीं है। किसी उदारवादी, समाज हितैषी, हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए काम करने वाले मुसलमान की मृत्यु पर न ऐसी प्रतिक्रियाएं आतीं हैं न इतने लोग इकट्ठे होते हैं और न उनमें भावविह्वलता और आक्रामकता देखी जाती है। इसके विपरीत चाहे मुख्तार अंसारी हो, बिहार का बाहुबली सैयद शहाबुद्दीन, अतीक अहमद या मुंबई बम विस्फोटों का आतंकवादी टाइगर मेनन उनके जनाजे में इतने बड़े जन समूह का उभरना मुस्लिम समाज के अंदर बढ़ती ऐसी प्रवृत्ति है, जिससे डरने और जिसको हर हाल में रोके जाने की आवश्यकता है। मुख्तार अंसारी न्यायालय द्वारा सिद्ध माफिया, हत्यारा, अपहरणकर्ता, सांप्रदायिक दंगा करने वाला बाहुबली था। 65 से ज्यादा मुकदमे उसके नाम पर थे जिनमें आठ में उसे सजा दी जा चुकी थी। इनमें दो में उम्र कैद की सजा थी। न्यायालय द्वारा घोषित सजा प्राप्त अपराधी को मुसलमानों का नायक, गरीबों का मसीहा बताया जाए तथा राजनीतिक पार्टियां और नेता उसके पक्ष में बयान दें इससे ज्यादा डरावना देश के लिए कुछ नहीं हो सकता? वे सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ न्यायपालिका पर भी प्रश्न उठा रहे हैं।2013 में मुंबई बम विस्फोटों के अपराधी टाइगर मेनन के जनाजे में मुंबई में उमड़ी भीड़ ने पहली बार देश को हैरत में डाला था। उस समय से यह एक स्थापित प्रवृत्ति है। अतीक अहमद की हत्या पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न था लेकिन उसकी मृत्यु पर विशेष नमाज जगह-जगह अदा कर जन्नत की दुआ करना किस बात का द्योतक था? डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की मृत्यु पर इस तरह का दृश्य नहीं था। वस्तुतः उनके जनाजे में हिंदुओं की संख्या सर्वाधिक थी। कांग्रेस के शासनकाल से उत्पन्न राजनीति के अपराधीकरण के भयावह दौर में ऐसे अपराधी और बाहुबली, जिन्हें जेल में होना चाहिए वो माननीय विधायक और सांसद बनकर नीति-नियंता बन गए। अतीक, अंसारी या शहाबुद्दीन जैसों की एकमात्र योग्यता यही थी कि वो अपने अपराध के बल पर साम्राज्य कायम कर चुके थे तथा एक क्षेत्र विशेष में चुनाव जीतने-जिताने में सक्षम थे। इसी कारण सपा-बसपा दोनों ने उन्हें महत्व दिया और कांग्रेस पार्टी का भी उन्हें समर्थन ही रहा। जरा सोचिए, मुख्तार अंसारी ने उत्तर प्रदेश के वर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के बड़े भाई अवधेश राय की सरेआम हत्या करवाई और आज कांग्रेस उसे अपराधी तक कहने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस ने उसे बचाने के लिए उत्तर प्रदेश से पंजाब की रोपड़ जेल में शिफ्ट कराया तथा उसे वापस न लाया जा सके इसके लिए सर्वोच्च अदालत तक लड़ाइयां लड़ी। ऐसी पार्टियों के होते क्या उसे सजा मिल सकती थी? ये पार्टियां भूल रही हैं कि देश ने राजनीति के अपराधीकरण और अल्पसंख्यकवाद के दौर को पीछे छोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र या फिर राज्यों में सरकार गठित होने के पीछे भी हिन्दुत्व, राष्ट्रवाद, विकास, जन कल्याण के साथ अपराध और भयमुक्त माहौल की उम्मीद भी बहुत बड़ा कारण रहा है। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2022 में भाजपा सरकार की वापसी का सबसे बड़ा कारण यही था कि अपराधी और माफिया के विरुद्ध अविसनीय स्तर तक कार्रवाई हुई। योगी आदित्यनाथ केवल उत्तर प्रदेश नहीं, बल्कि देश में आम लोगों के बीच अपराधियों व माफियाओं के विरुद्ध किसी भी दबाव से परे अडिग रहते हुए कठोरता से कार्रवाई करने वाले नायक के रूप में खड़े हुए हैं तो इसी कारण। उप्र में सभी समुदायों के आम आदमी की प्रक्रिया होती है कि हम अब निर्भय होकर सड़कों पर चल सकते हैं।इसलिए बसपा, सपा या कांग्रेस या अन्य पार्टियां अगर मानती है कि ऐसे अपराधियों के पक्ष में खड़ा होकर वे मुस्लिम वोटों से फिर विजय प्राप्त कर सत्ता पा लेंगे तो यह सपना पूरा नहीं होने वाला। पर इस व्यवहार के कारण सांप्रदायिक तत्वों द्वारा फैलाया गया खतरनाक झूठ कि मुसलमानों की चुन-चुन कर हत्याएं हो रही हैं- देश में सांप्रदायिक तनाव का वातावरण पैदा कर रहा है। ऐसी राजनीति और एक्टिविज्म भयभीत करने वाली है। मुख्तार जैसे लोग समाज के नायक नहीं खलनायक हैं। खलनायक को नायक बनाने की सांप्रदायिक और विभाजनकारी प्रवृत्ति के विरुद्ध डटकर खड़ा होने की आवश्यकता है।

-अवधेश कुमार-

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भ्रष्टाचार से बचना है तो लोभ ना करें

भ्रष्टाचार से बचना है तो लोभ को त्याग दें दो। पैसा मेहनत से मिलता है उसी में खुश रहें।आज बड़े-बड़े नेताओं का जेल में जाने का ताँता लगा हुआ है क्योंकि उसने जो शपथ लिए वो गलत है। भ्रष्टाचार का मुख्य कारण लोभ है। लोभ लालच सत्ता में बने रहने की लालसा हीं आपको पतन का राह दिखाती है। भारत एक लोकतान्त्रिक देश है जिसमें अधिकांश लोग गरीब है। दो वक़्त की रोटी के लिए मारा-मारा और कड़ी मेहनत करते है। आप टैक्स के रूप में उनसे लेते हैं।अतः ऐ तो जनता का पैसा है जो मेहनत का है। उसे पचा नहीं सकते। यदि गरीब हमेशा मेहनत की कमाई पर विश्वास रखता। तो नेताओं को भी घोटाला करने की जरुरत हीं क्या है। इतना तो समझ आना चाहिए भूले-भटके मजबूरी में यदि किसी दुकान में चोरी करते पाया जाता है तो जेल में लोग डाल देते हैं। और पिटाई भी होती है। अतः यदि गरीब जनता भ्रष्टाचार नहीं करती तो नेताओं को जरुरत क्या है। गलत काम करने कि यदि भ्रष्टाचार करता तो अमीर नहीं बन जाता। कहा जाता है कट्टर ईमानदार मनुष्य के जीवन के पराभव का पतन द्वार है। विकारों में लोभ मनुष्य के जीवन का ऐसा मानसिक विकार है। जो उसके उत्कर्ष में बाधा डालता है। लोभी व्यक्ति आचरण से हीन हो जाता है। वह अपने स्वाभिमान को भुलाकर किसी कामना के वशीभूत होकर चाटुकार बन जाता है। उसका अपना व्यक्तित्व नष्ट हो जाता है और किसी से कुछ पाने की आशा में अपना सब कुछ गंवा देता है। लोभी व्यक्ति का चारित्रिक पतन हो जाता है। लोभ राजनीति का हो किसी ऊंचे पद का हो अर्थ प्राप्ति का होए वासना के वेग का हो या किसी भी प्रकार से किसी से कुछ पाने की लालसा का हो ठीक नहीं है। एक क्षणिक प्यास की तरह है जिसकी पूर्ति के लिए मनुष्य अनैतिक बन जाता है और गलत.काम करने लगता है। वह भूल जाता है कि उसके जीवन की कुछ मर्यादाएं भी हैं। हम अपने जीवन में ऐसा ही अनुभव करते हैं कि थोड़े से सुख थोड़े से लाभ एक.आध ऊंची कुर्सी पाने के लिए ऐसे लोगों के पैर छूने लगते हैं जो स्वयं चारित्रिक दृष्टि से गिरे होते हैं। जब हम लोभ करते हैं तो हमारा पूरा व्यक्तित्व दीन-हीन और दरिद्र बनकर खड़ा हो जाता है जिससे हमारी अपनी जीवनशक्ति शरीर में हो रहे जैविक परिवर्तन से बुरी तरह आहत होने लगती है और हमारे जीवन में जो स्वाभिमान की ऊर्जाशक्ति है वह दासत्व ग्रहण करने लगती है। लोभी व्यक्ति अपनी सारी मर्यादाओं और नैतिक मूल्यों को छोड़कर स्वयं स्वीकार करने लगता है कि हम दूसरी पंक्ति में खड़े लोग हैं। हम दूसरे की जयकार बोलनेवाले हैं। और भाट की तरह दूसरे की प्रशस्ति के गीत गाने वाले लोग हैं। ऐसे लोग कभी भी समाज को दिशा नहीं दे सकते न ही खुद की उन्नति करने में सफल हो सकते हैं। लोभी व्यक्ति मान लेते हैं कि हमें अपने जीवन में नेतृत्व नहीं करना है। पीछे की पंक्तियों में खड़ा होना है। इसीलिए लोभी व्यक्ति लोभपूर्ति के लिए किसी भी व्यक्ति के सामने पूंछ डुलाते हुए खड़ा हो जाता है। वैसा व्यक्ति कभी भी शासक नहीं हो सकता है नहीं तो अंधेर नगरी चौपट राजा टके शेर भाजी टके शेर खाजा।

संजय गोस्वामी
अणुशक्तिनगर,मुंबई

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

क्या हम अच्छे पूर्वज बन सकते हैं?

माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी, ताऊ- ताई आदि हमारे पूर्वज हैं। इनसे हमें बहुत मूल्यवान संस्कार,रीति रिवाज,अनुभव, त्योहारों का मनाना, घर आए मेहमान का मान-सम्मान करके सौभाग्य समझना,अपने बुजुर्गों का आज्ञाकारी होना,उनका सम्मान करना,बुढ़ापे में उनकी सेवा करना, सच बोलना, परिश्रम करके कमाना और मिल बांट कर खाना,कमजोरों, गरीबों,स्त्रियों,बच्चों तथा लाचार लोगों पर दया करना, साधारण जीवन व्यतीत करना तथा उच्च-विचार रखना,बुरा काम करते समय परमात्मा से डरना,पड़ोसीअथवा हमसाए के साथ मिल-जुल कर रहना,दुख-सुख में एक दूसरे का साथ देना,अपनी आमदनी के मुताबिक घर-गृहस्ती पर खर्च करना तथा थोड़ी बहुत बचत करते रहना,व्यवसाय में ईमानदारी का व्यवहार करना आदि आदि बातें हमें अपने पूर्वजों से विरासत के तौर पर प्राप्त हुई है। हमारे पूर्वज समझदार, विद्वान, दूरदर्शी, भाईचारा बढ़ाने वाले, संयम तथा धैर्य रखने वाले,किसी का हक न मरने वाले, सबके लिए त्याग करने वाले, अनेक धार्मिक ग्रंथों के लेखक,परिवार में सुख-शांति बनाकर रहने वाले थे, तभी तो घर को स्वर्ग कहा जाता था। प्रत्येक देश के पूर्वजों का वर्तमान पीढ़ी के लिए अपने अपने ढंग का योगदान होता है। भारत के पूर्वज हमारे लिए लाजवाब सभ्यता, संस्कृति, परंपरा, रीति रिवाज, त्योहारों को शालीनता से बनाना, विवाह शादियों को गरिमामय ढंग से इस तरह मनाना के सभी रिश्तेदार सम्मानित महसूस करें। हमें जो कुछ अपने पूर्वजों से मिला है वह उपयोगी,फक्र वाला ही नहीं बल्कि इससे हमारा देश विश्व गुरु बन सका है।अपने पूर्वजों से अमूल्य धरोहर प्राप्त करने के बाद हमें अपने आप से यह सवाल पूछना चाहिए कि क्या हम अच्छे पूर्वज साबित हो सकेंगे ? जिस तरह दुनिया तथा हमारे देश में हालात चल रहे हैं वो इतने निराशाजनक हैं कि अगर हम ईमानदारी और निष्पक्षता से देखें तो हमें अपने व्यवहार,विचार,आहार तथा संबंधों को निभाने को लेकर बहुत शर्म आएगी। वैज्ञानिक तरक्की के कारण बेशक हमारे पास बहुत सारा पैसा, सुख सुविधाएं, विकास, सुरक्षा के साधन आ गए हों लेकिन जिस तरह हमारे सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक हालात व हमारे परिवारों की स्थिति है उस सबको देखकर तो ऐसे लगता है कि हम स्वार्थी, अहंकारी, लालची, क्रोधी, बड़े छोटे की लिहाज ना करने वाले, दूसरों का शोषण करने वाले,कामवासना में लिप्त, धर्म का आडंबर रचाने वाले, मुखोटे बदल बदल कर स्वार्थ सिद्धि करने वाले, प्राकृतिक साधनों का स्वार्थ वश दोहन करने वाले तथा आने वाली पीढ़ियों की चिंता न करने वाले, बेईमान, कामचोर, भ्रष्ट, छोटी-छोटी बात पर झूठ बोलने वाले, कमजोर को दबाने वाले,अनैतिक व्यवहार करने वाले, दान पुण्य किए बिना धन-संपत्ति का संचय करने वाले ,पराया धन तथा पराई नार पर बुरी नजर रखने वाले बन जाने के कारण हम किसी भी तरह अच्छे पूर्वज बनने के रास्ते पर नहीं चल रहे। आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में हम नदियों,पहाड़ों,वनों, झीलों आदि के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग इतनी बढ़ गई है कि बिना मौसम के बरसात, ओलावृष्टि, भूचाल, आंधी, तूफान, सुनामी आदि आते हैं जोकि भविष्य की पीढ़ी के लिए खतरे की घंटी है। जिस तरह हम जल साधनों को बर्बाद कर रहे हैं बहुत जल्द पीने के लिए लोगों को पानी नहीं मिलेगा, जिस तरह भारत तथा विश्व की आबादी बढ़ रही है निवास,बिजली पानी,शुद्ध हवा, पर्यावरण एक सपना बनकर रह जाएगी। कमाल की बात यह है कि हम पतन की ओर जा रहे हैं। हम न तो परिवार, समाज, देश तथा विश्व के बिगड़ते हुए हालात का सोचते हैं और न ही आने वाली पीढ़ी की। आजकल लगभग सभी देश अपने दुर्लभ साधनों को विकास तथा जन कल्याण पर खर्च करने के बदले में सुरक्षा के कामों पर लगा रहे हैं। हमारे राजनेता कर्तव्यनिष्ठ नहीं है। उन्हें सिर्फ सत्ता सिंहासन तक पहुंचने की तथा बने रहने की फिक्र है। इसके लिए वह कोई भी तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं। संयुक्त परिवार तो पुरानी बात हो गई है। जिस परिवार में पति पत्नी और बच्चे रहते हो, बुजुर्ग न हो वहां भी कोई सुख शांति नहीं है। परिवार के सभी सदस्य मिल बैठकर खाना नहीं खाते। परिवार के सदस्य एक दूसरे पर विश्वास करने के बदले में बाहर के लोगों पर विश्वास करके घर की बातों का खुद ही पर्दाफाश करते हैं। पति-पत्नी, बाप-बेटा,भाई-बहन आदि में कोई प्रेम नहीं। सब कुछ उल्टा पुल्टा हो रहा है। ऐसी स्थिति में हम अच्छे पूर्वज बिल्कुल नहीं बन सकते। हमने अपनी बुजुर्गों से जो कुछ अच्छी बातें सीखी हैं,अच्छे संस्कार, आदतें आदि सीखी हैं हम वो आने वाली पीढ़ी को नहीं देकर जा रहे। भौतिकता वाद की चकाचौंध ने हमें अकल का अंधा बना दिया है। कहीं संतोष चैन नहीं। आज हमारे पास सब कुछ है, लेकिन सुख शांति, सुकून,संयम, धैर्य, सब्र, प्रति सम्मान, गरीबों के प्रति दया, इंसानियत, संवेदनशीलता आदि बिल्कुल नहीं है। ऐसे में हम अच्छे पूर्वज कैसे बन सकते हैं। अगर हम कोई अच्छी बात करें भी तो आजकल के बगावत पर उतारू बच्चे वह बात होने नहीं देते। विडंबना यह है कि आजकल के बच्चों को बड़े बुजुर्गों की धन-संपत्ति तो चाहिए लेकिन उनसे किसी प्रकार की सलाह नहीं चाहते। आजकल के नौजवानों को अपने बुजुर्गों के अनुभव से कुछ लेना-देना नहीं। आज के पूर्वजों की यह लाचारी है कि कोई उनकी बात मानता नहीं। आजकल घर के महत्वपूर्ण मामलों का फैसला बुजुर्ग लोग नहीं करते बल्कि बच्चे ही करते हैं। बच्चों में क्योंकि अनुभव का, ज्ञान का अभाव होता है। उन्हें हर काम में जल्दी है। उनकी दिलचस्पी पूरा क्रिकेट का मैच खेलने के बदले में 20-20 खेलना ज्यादा पसंद है। जब आज के बुजुर्गों की कोई मानता ही नहीं तो सीधी सी बात है कि हम अच्छे पूर्वज साबित नहीं हो सकते। इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ी को भुगतना ही पड़ेगा।

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समझने की जरूरत

जनसंचार समाजिक बदलावों में एक अहम भूमिका निभाता है। इसके बावजूद कि जनसंचार कई प्रकार में मौजूद हैं, सभी प्रारूपों में उसका लक्ष्य सिर्फ समाज का कल्याण करना होता है। हालांकि, जनसंचार में भी दूसरे आयामों कि तरह कुछ अशुद्धियां होती है। परंतु यह संचारक पर निर्भर करता है कि वह जनसंचार माध्यमों का उपयोग कैसे और किस मंशा से करता है। कहा जा सकता है कि एक सिक्के के भांति जनसंचार के भी दो पहलू होते हैं। इसी कड़ी में आगे बात करें तो प्रस्तुत परिदृश्य में जनसंचार माध्यमों के ऐसे कई उदाहरण है जोकि एक तरफ तो लोगो का उद्धार करते हैं और दूसरी तरफ उन्हें भ्रमित। उदाहरण के रूप में विज्ञापन जोकि जनसंचार का ही एक आयाम है का उपयोग कई प्रकार से होता है, एक ओर जहां विज्ञापन लोगों को जागरूक एवं शिक्षित करते है, वहीं दूसरी ओर वह लोगों को भ्रमित भी कर सकते है। जैसे, खाद्य सामग्रियों का विज्ञापन जोकि गुणवत्ता का अभाव होते हुए भी शुद्धता का दावा कर लोगों को भ्रमित करते हैं। इसके उपरांत, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी एक याचिका कि सुनवाई के दौरान यह बात मानी है कि कुछ विज्ञापनों में किए गए दावे बिल्कुल झूठे हैं। हालांकि, सभी विज्ञापनों पर यह बात लागू नहीं होती है। अब सवाल उठता है कि कैसे इन विज्ञापनों पर रोक लगाई जाए? कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हमारे सामने कोई ऐसा विज्ञापन आता है, जिसके बारे में हमें लगता है कि वह भ्रामक है, तो संबंधित अधिकारियों या उपभोक्ता निगरानी समूहों को सूचित करना चाहिए। हालांकि, यहां विज्ञापन दाताओं की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह भ्रामक विज्ञापनों को प्रसारित न करें और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम एवं भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई) द्वारा निर्धारित आचार संहिता का पालन करें।

निखिल रस्तोगी
लखनऊ,
उत्तरप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

माता सिद्धि दात्री

नवरात्रि के नवम दिन करते हैं, सिद्धिदात्री मां की वंदना,
पावन तिथि प्रगटे प्रभु श्री राम लला, राजा दशरथ के अंगना ।
सिद्ध चक्र की शक्ति है माता,स्वर्णिम कंचन जगमग आभा,
अष्ट सिद्धि नव निधियां देती दुर्गे, जिसने इस चक्र को साधा ।
सकल ब्रह्मांड की संपूर्ण शक्ति व सिद्धियां, यहीं पर है उपस्थित,
अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व ।
भोलेनाथ ने पाया मां सिद्धिदात्री से, सिद्धियों का अनुपम वरदान,
शिवजी अर्धनारीश्वर कहलाए, माता रानी का किया जयगान ।
सिंह पर सवार कमल पुष्प धारिणी, चतुर्भुजी देवी कमलासनी,
मातेश्वरी, जगदाती, त्रिभुवनेश्वरी, जगदंबे सर्व सिद्धि प्रदायिनी ।
जो जन करता माता सिद्धिदात्री का, पूर्ण आस्था से मन लगाकर ध्यान,
भवसागर से मुक्त - विमुक्त हो, पाता मोक्ष का वृहद अद्भुत ज्ञान ।
सभी देवी देवताओं ने समय-समय पर ,विभिन्न रूपों में की माता की श्रेष्ठ भक्ति,
सर्वेसर्वा महामाई का मिला आशीष, मनवांछित वर की हुई प्राप्ति ।
नवरात्रों के नौ दिवस, इसीलिए होते हैं अति विशेष,
विकारों पर विजय प्राप्त कर, योगिजन शक्ति का कराते अंतर्मन में प्रवेश ।
नौ दिनों में नवरात्रि के जागृत होती है, यह सारी दिव्य शक्तियां,
सकल ब्रह्मांड नमन करता माता को, सर्व समर्पण कर अपनी अभिव्यक्तियां ।
हर इच्छा पूरी होती है जो, मेहरोवाली जगदंबे की शरणे आता,
सच्ची श्रद्धा भाव, आस्था, भक्ति से मां दुर्गा का दर्शन पाता ।
चरणों में तेरे शीश झुकाता हूं मईया, मेरे क्षमा करो सब अपराध,
सदैव बरसाओ मां मुझ पर अपना, अमित आनंद प्रसाद ।
धन्यवाद करता हूं देवी दुर्गे महारानी, आप है परम कृपालु,
मूढ़ मति मैं बालक हूं आपका, दया करो भवानी,महायोगिनी दयालु ।

मोनिका डागा आनंद,
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

ये पर्व है राम-राज्य का

ये पर्व है हिंदूओं के सनातन का
ये पर्व है उत्साह-खुशहाली का।
ये पर्व है श्री राम के आगमन का
ये पर्व है राम के अभिनन्दन का।
ये पर्व है मन प्रकाशित करने का
ये पर्व है मन से तमस हरने का।
ये पर्व है रज-कण के जीवन्तता का
ये पर्व है तन-मन की पावन्तता का।
ये पर्व है आस्था नीति विस्वास का
ये पर्व है न्याय-धर्म के विकास का।
ये पर्व है हिंदू धर्म के स्थापना का
ये पर्व है सत्कर्म भक्ति भावना का।
ये पर्व है असुरता के विनाश का
ये पर्व है देवत्व के विकास का।
ये पर्व है राम-राज्य के स्थापन का
ये पर्व है सनातन के सम्मान का।
ये पर्व है कला संस्कृति-सभ्यता का
ये पर्व है एकता और अखंडता का।

अशोक पटेलआशु
तुस्मा,
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राम आ गए भोले

आ गए राम आज तो देखो,
द्वार भोले नें खोले हैं,
बजी बांसुरी कान्हा की जब,
हंस-हंस कर सब बोले हैं।
आ गए राम .....
पीछे-पीछे कदम सिया के,
जब फूलों पर पड़ते हैं,
भोले भी मुस्कानें लगते,
राम-नाम धुन गाते हैं।
आ गए राम ....
कहीं कूक उठती है कोयल,
कहीं मयुर नृत्य भी करते हैं,
पाते हैं संदेश भोले का,
झूम-झूम कर गाते हैं।
आ गए राम .....
राम, कृष्ण और भोले मिलकर,
संग-संग फिर मुस्काते हैं,
भूमंडल ये दृश्य देख कर,
फिर हर्षित हो जाता है।
आ गए राम ...
जीवन के सारे सुख पाकर,
मन चंचल हो जाता है,
भोले भजते राम-कृष्ण तो,
ये संसार धन्य हो जाता है।
आ गए राम ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,इन्दौर,
मध्यप्रदेश

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

राम तुम्हें आना होगा

धरती करें पुकार राम तुम्हें आना होगा।
जर्जर हुई आवाम राम तुम्हें आना होगा।
दुश्मन बना बैठा हर कोई भाई भाई का।
भरत लक्ष्मण शत्रुघ्नी पाठ पढ़ाना होगा।
त्याग दिया राजपाठ पिता आदेश पर।
आज्ञाकारी पुत्र यहां तुम्हें बनाना होगा।
यहां हर कोई कुंभकरण सी सोई हुई है।
सबको कुंभकर्णी नींद से जगाना होगा।।
भ्रष्टाचारियों का खूब बोलबाला है यहां।
ईमानदारी का पाठ सबको पढाना होगा।।
छुआछूत जात-पात की ये खाई बढ़ी है।
शबरी के जूठे बेर भी तुम्हें खाना होगा।
गुरु आज्ञा से ही नारी अहिल्या तारी थी।
गुरु शिष्य परंपरा का पाठ पढ़ाना होगा।
यहां सबके मन में अहंकार भरी हुई है।
अहंकाररूपी रावण को भगाना होगा।
टूट गया विश्वास मानव का मानव से।
मानवता रूपी विश्वास बढ़ाना होगा।
चारों तरफ अत्याचार लूट मची हुई है।
फिर से तुम्हे यहां अवतार लेना होगा।

श्याम सुंदर साहू
राजिम जिला
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

नवरात

आथे जब नवरात जी,
भक्ति भजन तब होय ।
रिगबिग दीया हा बरै,
जोत जँवारा बोय ।।
जोत जँवारा,बोय सबो झन,
करथे सेवा ।
ध्यान लगाके,पूजा करथे,
पाथे मेवा ।।
तोर दुवारी,आस लगाये,
सब झन जाथे ।
सुग्घर पावन,ये नवराती,
जब-जब आथे ।।

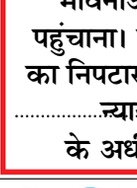

मुकेश उइके मयारू
चेपा, पाली,
कोरबा(छ.ग.)

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर .....न्यायालय..... के अधीन होगा।

मुख्यमंत्री के गृह जिले में सड़क निर्माण को लेकर नियमों का नहीं हो रहा पालन,हरे भरे वृक्ष को मशीनों से उखाड़ कर बनाई जा रही है सड़क

क्या जशपुर जिले के खुड़ियारानी सड़क निर्माण मामले में सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?

क्या मुख्यमंत्री का गृह जिला होने के कारण सारे नियम शिथिल कर बनाई जा रही है सड़क ?

करोड़ों की लागत से बन रही है सड़क,सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार ने हरे भरे वृक्ष को मशीन से उखाड़ वृक्षों को पहुंचा नुकसान

- भूपेन्द्र सिंह -
जशपुर,16 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश के सरगुजा संभाग में एक ऐसी सड़क का निर्माण जारी है जिसको लेकर सभी नियम शिथिल कर दिए गए हैं यहां तक की पर्यावरण को लेकर भी सड़क निर्माण में ध्यान नहीं दिया जा रहा है और सड़क निर्माण के दौरान हरे भरे वृक्षों को ठेकेदार ने बिना अनुमति पोकलेन मशीन से उखाड़ कर नष्ट किया गया, जिसमें कई वृक्ष पूरी तरह से नष्ट होगा जैसा देखने में आ रहा है।

बता दें की जशपुर जिले के खुड़ियारानी में पक्के सड़क का निर्माण कार्य वर्ष 2023 में स्वीकृत हुआ था और तब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी वहीं तब सड़क निर्माण कार्य जारी नहीं हो सका था जो अब जारी हुआ है और वर्तमान में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी जशपुर जिले से हैं और यह सड़क उन्हीं के क्षेत्र में बनाई जा रही है। बताया जा रहा है की करोड़ों की लागत से बनाई जा रही सड़क को लेकर कई नियम शिथिल कर दिए गए हैं जिसमे वन विभाग से अनापत्ति भी प्राप्त नहीं की गई है जैसा बताया जा रहा है और सड़क निर्माण के लिए हरे भरे वृक्षों को उखाड़ कर फेका जा रहा।

मुख्यमंत्री जशपुर के ही बन गए क्या इसलिए स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को बिना नियमों के पालन के ही बनाने की अनुमति प्रदान ही गई जो निर्माणाधीन है ?

बता दें की वर्ष 2023 में पंद्रह करोड़ पंद्रह लाख की लागत वाली दो पक्की सड़कें स्वीकृत की गई थीं जो दोनों ही जशपुर जिले की थीं जिसमे कुल 8.04 किलोमीटर सड़क बनाए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई थी,एक सड़क कैलाशगुफा तक एवम एक सड़क खुड़ियारानी तक बनाए जाने की एक साथ स्वीकृति प्रदान की गई थी। खुड़ियारानी सड़क की लंबाई कुल 4.4 किलोमीटर है वहीं कैलाशगूफा सड़क की लंबाई 4 किलोमीटर है वहीं सड़क निर्माण के साथ साथ अगल बगल नाली निर्माण की भी स्वीकृति इस कार्य में प्रदान की गई है। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या मामला मुख्यमंत्री के गृह जिले का है इसलिए सड़क निर्माण में नियमों को शिथिल किया गया है या बिना नियमों के पालन के सड़क बनाया जा रहा है। सड़क निर्माण के दौरान सबसे ज्यादा नियमो की अनदेखी इस मामले में देखी जा रही है की हरे भरे वृक्ष लगातार उखाड़ा जा रहा हैं। खुड़ियारानी पक्की सड़क निर्माण की लागत लगभग 8 करोड़ की है और 7 करोड़ के आसपास की लागत से कैलाश गुफा की सड़क बनाई जाएगी। माना जा रहा है की जब कांग्रेस शासनकाल में सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ तब यदि निर्माण कार्य जारी हुआ होता नियमों के पालन के साथ सड़क निर्माण कार्य किया जाता वहीं प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री चूंकि जशपुर जिले के ही बन गए इसलिए स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को बिना नियमों के पालन के ही बनाने की अनुमति प्रदान कर दी गई जो निर्माणाधीन है।

खुड़ियारानी क्षेत्र के सौंदर्यीकरण एवम पर्यटन क्षेत्र के रूप क्षेत्र को विकसित करने की मुख्यमंत्री ने की है घोषणा, क्या वृक्ष को नष्ट कर होगा सौंदर्यीकरण ?

प्रदेश के मुख्यमंत्री जब खुड़ियारानी पहुंचे थे तब उन्होंने घोषणा की थी की वह क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक प्रयास जारी करेंगे वहीं क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को लेकर भी वह ध्यान देंगें। अब सड़क निर्माण और सड़क चौड़ीकरण के दौरान यह देखने को मिल रहा है की हरे भरे वृक्षों को उखाड़कर सड़क निर्माण किया जा रहा है। अब सवाल यह उठ रहा है की क्या सौंदर्यीकरण और पर्यटन के रूप में क्षेत्र को विकसित करने के लिए वृक्षों को ही नष्ट करने की की बात की गई थी उनके द्वारा वहीं सवाल यह भी उठता है की क्या यही वन क्षेत्र और पर्यटन को लेकर सरकार की प्राथमिकता है जिसमे हरे भरे वृक्ष को नष्ट करना ही विकास कहलाता है?

पर्यटन के रूप में विकसित करने की है योजना,उसी के तहत पक्की सड़क का हो रहा है निर्माण

जशपुर जिले का कैलाश गुफा क्षेत्र और खुड़ियारानी पर्यटन के रूप के विकसित किया जा सके इसलिए ही दोनो जगहों की सड़क पक्की बनाई जाने की योजना बनी थी, उसी के तहत पक्की सड़क का निर्माण भी हो रहा है। पर्यटन के रूप में जशपुर को अलग पहचान दिलाना भी उद्देश है सड़कों के निर्माण मामले में। वैसे खुड़ियारानी और कैलाशगुफा क्षेत्र पर्यटन के रूप में पहले से ही अपनी पहचान रखती हैं और चूंकि सड़कें कच्ची थीं जिन्हें बनाया जा रहा है। वैसे पर्यटन के लिए विकसित करने के लिए सड़क निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी की जा रही है जिसको लेकर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।

वन विभाग के अधिकारी नहीं दे रहे मामले में संतोषजनक जवाब

पूरे मामले में वन विभाग के डीएफओ साथ ही अन्य अधिकारियों को जिसमे लोक निर्माण विभाग के अभियंता भी शामिल हैं से जब मामले की जानकारी लेने के लिए फोन पर संपर्क किया गया तब उनके द्वारा संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। क्या क्लियरेंस वन विभाग का मिला है पर्यावरण विभाग का मिला है का जवाब अधिकारी नहीं दे पा रहे हैं। वैसे अधिकारियों के जवाब नहीं देने की मंशा को लेकर यही कहा जा सकता है और ऐसा ही बताया भी जा रहा है की वह ठेकेदार के कारण उसकी मदद के लिए मुंह बंद किए हुए हैं जिससे जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण हो सके और मामला तूल न पकड़ सके।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT, CHHATTISGARH
(PWIMS - Public Works Integrated Management System)

Agreement Details

Division: Division Jaspur — Print Date:- 06-Apr-2024 — Print Time:- 02:38:02 PM

अनुबंध क्रं	अनुबंध का वर्ष	अनुबंध का नाम	ठेकेदार का नाम / ठेकेदार की श्रेणी / आईडी	स्वीकृति का संदर्भ / दिनांक / स्वीकृतकर्ता / निविदा प्रपत्र	अनुबंध की राशि / स्वीकृत दर / कुल लागत (लाख में)	कार्यादेश का दिनांक / अवधि / पूर्णता का दिनांक	अनुबंध पूर्ण होने की वास्तविक तिथि / अनुबंध में कार्यों की संख्या / एस ओ आर की संख्या / फायनल बिल की स्थिति / व्हाउचर क्र. / दिनांक	परफारमेंस गारंटी की अवधि माह में
1	2	3	4	5	6	7	8	9
105	2023-2024	जिला जशपुर के खुडियारानी एवं कैलाशगुफा तक के पक्के मार्ग लं. 8.04 किमी का निर्माण कार्य	Ms Dwarika Buildcon CGeR04337	513/609/T/19/2024/ Nivida 06/03/2024 GV A	1494.72000 (-)14.020 1285.16030	15/03/2024 8.00 माह Included 13/11/2024	01/01/1900 0 0 0 NIL 01/01/1900	60

ठेकेदार के कारण उसकी मदद के लिए मुंह बंद किए हुए हैं जिससे जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण हो सके और मामला तूल न पकड़ सके।

क्या ठेकेदार पर होगी कार्यवाही ?

सरकार की अनुमति के बिना पेड़ को कटाना अपराध है। भारतीय वन कानून 1927 के अनुसार सेक्शन 68 के अंतर्गत पर्यावरण कोर्ट में मामला दर्ज हो सकता है। इसमें पेड़ों की चोरी, पर्यावरण को नुकसान पहुंचने और प्रदूषण एक्ट के तहत मामला दर्ज हो सकता है। ऐसे में ठेकेदार द्वारा बिना अनुमति के दर्जनों पेड़ों को मशीन से उखाड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया क्या इस मामले में विभाग इस पर कार्यवाही करेगा?

वीरेंद्र चौधरी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर जशपुर

ठेकेदार को बिना पेड़ों को नुकसान पहुंचाए काम करने को कहा गया था यदि हरे-भरे पेड़ों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है तो इस पर कार्यवाही की जाएगी। पेड़ों को नुकसान पहुंचाने की अनुमति बिल्कुल भी नहीं दी गई है।

जितेंद्र उपाध्याय डीएफओ जशपुर

अधिकारियों को मौके पर जांच करने के लिए भेजा गया है यदि ऐसा होगा तो कार्यवाही की जाएगी।

चैत्र नवरात्र के महाअष्टमी पर धामों में श्रद्धालुओं का लगा रहा ताता

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्र की महाअष्टमी तिथि पर मंगलवार को शक्तिपीठों के साथ-साथ घरों में लोगों ने विधि-विधान से नवदुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी की पूजा अर्चना की। नगर के दुर्गा मंदिरों, देवी धामों में जगत जननी की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े। सरगुजा की अराध्य मां महामाया मंदिर अंबिकापुर में मंदिर का पट खुलने से पहले ही श्रद्धालुओं का रेला उमड़ पड़ा था। मां महामाया की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु ललाइत रहे। मां की दर्शन के लिए लोगों ने कतार में खड़े होकर घंटों अपनी बारी का इंतजार करते रहे। महामाया मंदिर में श्रद्धालओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति व जिला प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थी। तेज धूप में भक्त घंटों लाइन में खड़े रहे। वहीं मंदिर

समिति द्वारा भक्तों के लिए मंदिर परिसर में टेंट लगाए गए थे। ताकि तेज धूप में राहत मिल सके। नवरात्रि के पहले दिन और अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने घर व देवी मंदिरों पर हवन-पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। नौ दिन तक व्रत रखने वाले भक्त नवमी के हवन-पूजन की तैयारियों में लगे रहे। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी के दिन मंगलवार को महामाया मंदिर, समलाया मंदिर, मां दुर्गा शक्तिपीठ गांधी चौक, संत हरकेवल मंदिर, काली मंदिर, रघुनाथपुर मंदिर, शीतला मंदिर सहित शहर के सभी देवी मंदिरों में माता की आराधना करने श्रद्धालु पहुंचे। सुबह से ही मां के जयकारों के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंजता रहा।

घरों व मंदिरों में अष्टमी के हवन की सुगंध महकी तो नवमी की तैयारियां पूरी की गईं। देवी मंदिरों पर भक्तों की कतारें लगी रहीं। देवी भक्तों ने अपने घरों में अष्टमी के दिन कन्या भोज कराया। अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने सौभाग्य, धन संपदा, सौंदर्य और स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवी महागौरी की आराधना की। अष्टमी पर्व पर भक्तों की भारी भीड़ रही। अष्टमी के दिन हवन-पूजन से वातावरण सुगंधित रहा। नौ दिन के महापर्व चैत्र नवरात्रि का बुधवार को नवमी तिथि तक पूजा-अर्चना, हवन, आरती के साथ समापन हो जाएगा। नवमी तिथि पर भी जगह-जगह शक्तिपीठों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी और भंडारे का भी आयोजन होगा। उमडऩे वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने भी व्यापक व्यवस्था की है।

पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी दो साल बाद गिरफ्तार

- सवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024
(घटती-घटना)।

शहर के मोमिनपुरा निवासी सद्दाम अली वर्ष 2022 में अपने साथियों के साथ पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसकर संचालक व उसके बेटों पर जानलेवा हमला किया था। घटना के बाद से सद्दाम फरार था। जिसे पुलिस ने दो साल बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं पूर्व में घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी थी।

शहर के कुंडला सिटी निवासी श्रीनिवास अग्रवाल ने मई 2022 में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह अपने पेट्रोल पंप ऑफिस खरसिया नाका में था। तभी मोमिनपुरा निवासी सद्दाम व उसके साथी ऑफिस के अदर घुसकर मुझ व मर लडक़ दिनेश व मुकेश अग्रवाल को लोहे की पाइप व रॉड से मारपीट किया था। गंभीर चोट लगने के कारण मेरे दोनों लडक़े बेहोश हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 452, 294, 307, 34 अपराध दर्ज कर घटना में शामिल निस्बाहुल इस्लाम उम्र 34 वर्ष निवासी मोमिनपुरा व नौसाद आलम उम्र 42 वर्ष निवासी खरसिया नाका गिरफ्तार कर जेल भेज दी थी। वहीं घटना में शामिल मुख्य आरोपी सद्दाम फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने दो साल बाद गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, आरक्षक उपेंद्र सिंह, सत्येंद्र दुबे, मनीष सिंह शामिल रहे।

ईरान के हमले के दौरान सऊदी-जॉर्डन ने की इस्राइल की मदद,

यूएस ने किया सबसे ज्यादा मिसाइलें को गिराने का दावा

तेल अवीव,16 अप्रैल 2024। ईरान ने पिछले हफ्ते इस्राइल पर सैकड़ों मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। इस्राइल इन मिसाइलों को रोकने में कामयाब रहा,लेकिन अब इसे लेकर एक बड़ा खुलासा किया गया है। दरअसल, 13 अप्रैल को ईरान की तरफ से पहली बार इस्राइल पर मिसाइल हमला किया गया था, लेकिन बताया जा रहा कि ईरान के मिसाइलों को रोकने में पड़ोसी देश सऊदी अरब और जॉर्डन ने भी अहम भूमिका निभाई थी।

पिछले साल से जारी इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर दोनों देशों ने इस्राइल की आलोचना की थी। अरब देश ने इस्राइल को इसके लिए गंभीर परिणाम भुगतने की भी चेतावनी दी थी, लेकिन ईरान के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए सऊदी अरब और जॉर्डन सामने आए। सऊदी शाही परिवार ने बताया कि देश के पास ऐसी प्रणाली है जो संदिग्ध मिसाइलों को स्वचालित रूप से रोकती है। इस्राइल ने दावा किया कि उसने 99 फीसदी मिसाइलों को मार गिराया था।

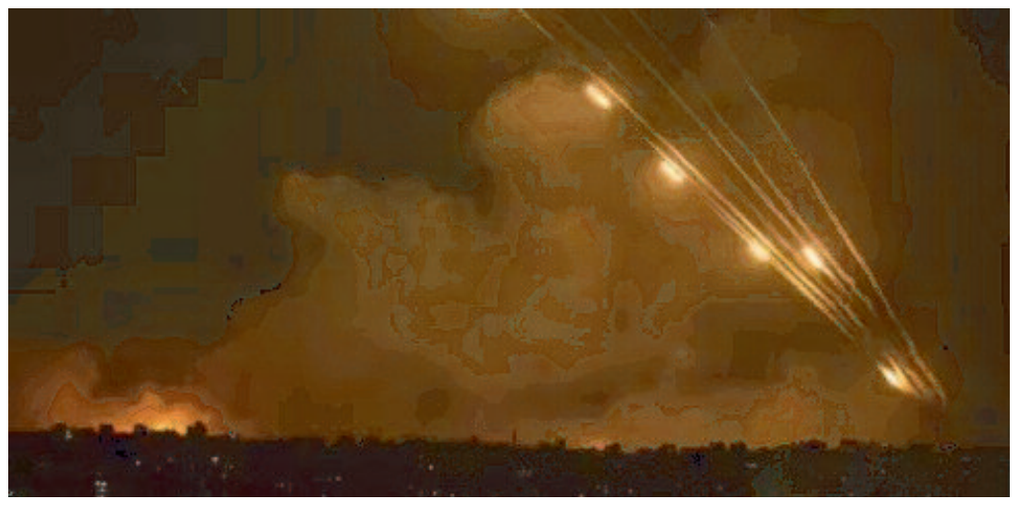

सऊदी अरब और जॉर्डन ने की मदद

ईरान से इस्राइल की दूरी 1,000 किमी है और मिसाइल एवं ड्रोन को इस्राइल पहुंचने के लिए सऊदी अरब और जॉर्डन से होकर जाना पड़ता है। जॉर्डन, जिसने गाजा में हमलों को लेकर लगातार इस्राइल की आलोचना की, ने बताया कि इस्राइल की तरफ ईरान ने जो मिसाइलें दागीं, उसे जॉर्डन ने मार गिराया था। जॉर्डन ने बताया कि उन्होंने इस्राइल और अमेरिका के लड़ाकू विमानों के लिए अपने हवाईक्षेत्र खोल दिए थे।

जॉर्डन के एक पूर्व मंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता देश और लोगों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा, जॉर्डन ने जो किया वह केवल अपने हवाईक्षेत्र को बचाने के लिए किया था। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान ने कई अरब देशों को हमले की जानकारी दी थी। अधिकारी ने कहा, अरब देशों ने तेहरान के हमले की योजना के बारे में खुफिया जानकारी दी। उन्होंने अपने हवाई क्षेत्र खोल दिए और अपने सुरक्षा बलों को मदद के लिए भेजा।

ज्यादातर मिसाइलों को अमेरिका ने मार गिराया- अमेरिकी सेना का दावा

सऊदी अरब और जॉर्डन के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने भी ईरान के मिसाइलों को मार गिराने में इस्राइल की मदद की। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि ईरान के ज्यादातर मिसाइलों को उन्होंने मार गिराया। बता दें कि ईरान ने शुक्रवार को इस्राइल पर करीबन 300 मिसाइलें दागीं। इसपर अमेरिकी सेना ने बताया कि उन्होंने 80 एकतरफा हमला रहित हवाई वाहनों के साथ छह बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराया। इस्राइली सुरक्षा बलों ने बताया कि उन्होंने 25 क्रूज मिसाइलों को इस्राइल के बाहर ही रोक दिया था। बताया जा रहा है कि ईरान के अलावा यमन की तरफ से भी मिसाइल दागी गईं थी।

ट्रंप के समर्थन में ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस, बोलीं...वे ईरान और चीन के प्रति आक्रामक थे...

नई दिल्ली, 16 अप्रैल 2024। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति पर इन दिनों आपराधिक मुकदमा चल रहा है। ऐसे में ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने उनका समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जब डोनाल्ड ट्रंप थे, तब दुनिया ज्यादा सुरक्षित थी।

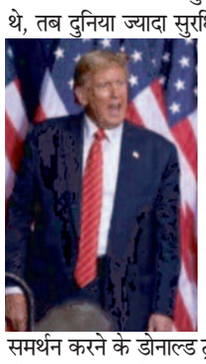

डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में अब ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री ने बयान देते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में दुनिया अधिक सुरक्षित थी। उन्होंने कहा कि मैं ये नहीं कह रही कि उनकी हर बात से मैं सहमत हूं, लेकिन उनका रवैया चीन और ईरान के प्रति आक्रामक था। उनके समर्थन में देश और दुनिया ज्यादा सुरक्षित थी।

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री ने डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव के लिए समर्थन किया। उन्होंने यूक्रेन के समर्थन करने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले की सराहना भी की। वे बोलीं कि ट्रंप को व्हाइट हाउस में होना चाहिए।

आक्रामक शासन को रोकने के लिए ट्रंप जरूरी

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने कहा कि आक्रामक शासन के विस्तार को रोकने में ट्रंप अधिक प्रभावी थे। मुझे लगता है कि अगर वह 2020 में दोबारा चुने जाते तो हम एक अलग स्थिति में होते।

डोनाल्ड ट्रंप पर चार आपराधिक मुकदमें

77 वर्षीय डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिन पर आपराधिक मुकदमा चलाया जा रहा है। उन पर 2016 के चुनाव अभियान के दौरान लिए वयस्क फिल्म अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल के साथ कथित यौन संबंध को छिपाने की योजना में व्यावसायिक रिकार्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। इसे अलावा ट्रंप पर तीन अन्य मामले चल रहे हैं। वह दो बार महाभियोग चलाने वाले एकमात्र अमेरिकी राष्ट्रपति भी हैं।

बाल्टीमोर ब्रिज हादसे मामले में चौथा शव बरामद, पिछले महीने मालवाहक जहाज ने मारी थी टक्कर

एफबीआई कर रही जांच

मरालड, 16 अप्रल 2024। अमेरिका में मेरीलैंड के बाल्टीमोर में पिछले महीने डाली नाम का मालवाहक जहाज पुल से टकरा गया था। इस हादसे में पुल पूरी तरह से ढह गया था। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि पुल ढहने से मारे गए चौथे व्यक्ति का शव उन्हें मिल गया है। ब्रिज रिस्पॉन्स यूनिफाइड कमांड ने खुलासा किया कि बचाव दलों ने रविवार को घटनास्थल से एक शव बरामद किया।

बाल्टीमोर पुल हादसे में चौथा शव बरामद

परिवार के अनुरोध के बाद अधिकारियों ने मृतक के नाम का खुलासा नहीं किया। मेरीलैंड राज्य पुलिस विभाग के अधीक्षक, कर्नल रोलैंड एल. बटलर जूनियर ने कहा, ÷हम मृतकों के लिए शोक जताते हैं। हम लोगों को ढूंढने का अभियान जारी रखेंगे, क्योंकि हम मानते हैं कि खोए हुए लोग किसी न किसी के परिवार होंगे।

एक बयान में बताया गया कि मेरीलैंड पुलिस, एफबीआई और मेरीलैंड परिवहन प्राधिकरण पुलिस ने वाहन के भीतर शव का पता लगाया। की ब्रिज रिस्पॉन्स यूनिफाइड कमांड के अधिकारी ने बताया कि सोमवार को मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया था। दो सप्ताह पहले दो अन्य मृतकों का शव ट्रक से बरामद किया गया था।

बता दें कि पिछले महीने श्रीलंका की तरफ जा रहे मालवाहक जहाज पुल से टकरा गया था। इस हादसे में पुल पर गड्ढों की मरम्मत कर रहे आठ निर्माण श्रमिकों में से छह की नदीं में गिरने से मौत हो गई थी। उस समय मृतकों में से केवल तीन के ही शव मिले थे। तटरक्षक पीड़ितों का शव ढूंढने का प्रयास कर रहे हैं। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि एफबीआई ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। एफबीआई ने बताया कि सोमवार को कार्गो जहाज में एजेंट मौजूद थे।

धूम्रपान विरोधी कानून पर ऋषि सुनक को मुखर विरोध का करना पड़ रहा सामना,दो पूर्व पीएम भी खिलाफ

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2024। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को 15 वर्ष और उससे कम उम्र के किसी भी व्यक्ति के लिए धूम्रपान पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने की अपनी योजना के खिलाफ मुखर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे जुड़ा एक नया विधेयक मंगलवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में मतदान लाया गया है।

भारतीय मूल के ब्रिटिश पीएम ने पिछले साल तंबाकू और वेप्स विधेयक का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने 1 जनवरी, 2009 के बाद पैदा हुए (15 वर्ष से कम के) किसी भी व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद बेचने को अपराध बनाकर ÷धूम्रपान मुक्त पीढ़ी÷ बनाने के अपने दृष्टिकोण की घोषणा की थी। एक बार इस विधेयक को संसद से मंजूरी मिल गई तो यह नाया कानून दुनिया के कुछ सबसे सख्त धूम्रपान विरोधी कानूनों में से एक होगा।

सुनक ने पिछले साल अक्तूबर में कंजर्वेटिव पार्टी के सम्मेलन में घोषणा की थी, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भविष्य में हम हर साल धूम्रपान की न्यूनतम उम्र एक वर्ष बढ़ाएं। इसका मतलब है कि आज एक 14 वर्षीय को कानूनी रूप से सिगरेट नहीं बेची जाएगी इससे आने वाली पीढ़ी धूम्रपान मुक्त हो सकती है।

चूंकि संसद में बिल पर विपक्ष का समर्थन है और सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव सांसदों के पास बिल पर स्वतंत्र रूप से वोट करने का अधिकार है, बिल के खिलाफ किसी भी टोरी वोट को प्रधान मंत्री के खिलाफ विद्रोह के रूप में नहीं देखा जाएगा। हालांकि सुनक के दो पूर्ववर्तियों (पूर्व पीएम) में से दो, लिज़ ट्रस और बोरिस जॉनसन, टोरीज के बीच बिल का विरोध करने वालों में मुख रहे हैं। वे बिल के विरोध में मतदान करने की योजना बना रहे हैं।

ब्रिटेन के स्वास्थ्य सचिव विक्टोरिया एटकिन्स ने कहा, सच्चाई यह है कि तंबाकू की खपत का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है। यह विशिष्ट रूप से हानिकारक है, और यही कारण है कि हम अगली पीढ़ी की रक्षा के लिए आज यह महत्वपूर्ण कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यह विधेयक हजारों लोगों की जान बचाएगा, हमारे एनएचएस [राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा] पर तनाव कम करेगा, और यूके की उत्पादकता में सुधार करेगा। नए कानून के तहत, धूम्रपान को अपराध नहीं माना जाएगा, और जो कोई भी कानूनी रूप से तंबाकू खरीद सकता है, उसे ऐसा करने से रोका नहीं जाएगा।

चैरिटी संस्था एक्शन ऑन स्मोकिंग एंड हेल्थ (एएसएच) की प्रमुख डेबोरा अरनोट ने कहा, यह ऐतिहासिक कानून धूम्रपान को इतिहास की राख के ढेर में तब्दील कर देगा। तंबाकू और वेप्स बिल सरकार को धूम्रपान को प्रतिबंधित करके बच्चों के बीच इसे कम आकर्षक बनाने में मदद करेगा। यह बिल इसे बेचने और पैक करने के तरीके को विनियमित करके सरकार को इससे निपटने के लिए नई शक्तियां भी देगा।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार धूम्रपान सालाना 80,000 मौतों के लिए जिम्मेदार है। धूम्रपान के कारण अर्थव्यवस्था पर करीब 17 अरब पाउंड का भार पड़ता है जो तंबाकू पर सालाना मिलने वाले 10 अरब पाउंड के वार्षिक कराधान राजस्व से कहीं अधिक है।

बेनजीर की बेटी ने ली नेशनल असेंबली के सदस्य के तौर पर शपथ...पिता ने दी बधाई,भाई ने बताया ऐतिहासिक पल

इस्लामाबाद, 16 अप्रैल 2024 । पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली के सदस्य के तौर पर शपथ ली। राजनीति के मैदान में नई पारी शुरू करने वाली आसिफा जरदारी को 29 मार्च को एनए 207 शहीद बेनजीराबाद से निर्विरोध चुना गया था। बता दें कि उनके पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही यह सीट खाली थी।

अपने भाई के साथ नेशनल असेंबली पहुंचीं आसिफा

आसिफा अपने भाई और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो के साथ दिन में नेशनल असेंबली पहुंची। नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़े एमएनए वहां नारेबाजी कर रहे थे और बाद में ट्रेजरी सांसदों ने वॉकआउट कर लिया।

पीटीआई का प्रदर्शन सकरंद पुलिस द्वारा उनके एनए 207 उम्मीदवार गुलाम मुस्तफा रिंड की गिरफ्तारी को लेकर था। पार्टी ने बताया कि रिंड उनके प्रतिनिधि थे, जो उपचुनाव में आसिफा के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले थे।

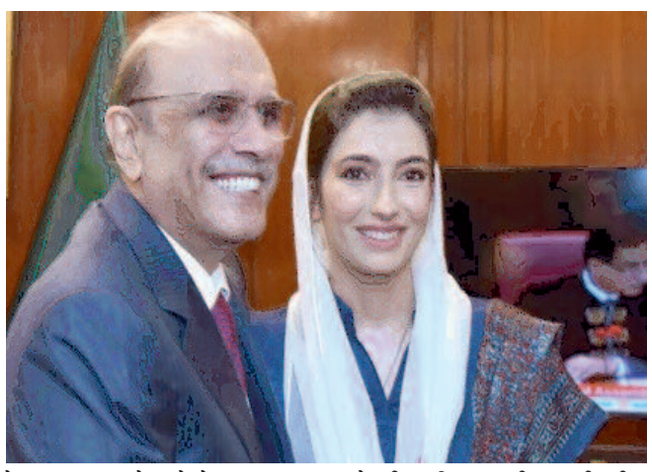

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने भी आसिफा अली जरदारी की शपथ ग्रहन की तस्वीरें शेयर की।

राष्ट्रपति जरदारी ने अपनी बेटी को दी बधाई

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए आसिफा को नई पारी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी आसिफा भुट्टो जरदारी को नेशनल असेंबली के सदस्य के तौर शपथ लेने की बधाई देते हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, नेशनल असेंबली के नए सदस्य के तौर पर आसिफा भुट्टो जरदारी ने शपथ ली। स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने शपथ दिलाई। इस दौरान पीपीपी ने इसे ऐतिहासिक पल बताया। आसिफा की बहन बख्तावर जरदारी ने भी इस पल का जश्न मनाया। पीपीपी के केंद्रीय सूचना सचिव फैजल करीम कुंडी ने भी आसिफा की शपथ को पाकिस्तान के इतिहास का ऐतिहासिक दिन बताया।

बता दें कि आसिफा भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान की राजनीति में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने संघर, बेनजीराबाद और नौशहरो फिरोज जिलों में अपने भाई और पार्टी के अन्य उम्मीदवारों के लिए चुनाव अभियान चलाया था।

ढाका-खुलना हाईवे पर बस-पिकअप ट्रक में टक्कर,एक ही परिवार के पांच समेत 14 लोगों की मौत

ढाका, 16 अप्रैल 2024। बांग्लादेश के ढाका में मंगलवार को एक बस और पिकअप ट्रक की टक्कर में 14 लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच एक ही परिवार के सदस्य थे। वहीं, कई और लोग घायल हैं। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा फरीदपुर में ढाका-खुलना हाईवे पर हुआ। यहां मगुरा शहर जा रही एक बस सामने से पिकअप ट्रक से टकरा गई। घटना में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोगों ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हुई है।

जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें आम यात्रियों के अलावा पिकअप ट्रक के ड्राइवर और हेल्पर की भी जान गई है। इसमें 15 लोग सवार थे। बांग्लादेश के डेली स्टार अखबार ने मृतकों की संख्या फिलहाल 13 बताई है। इनमें सात महिलाएं, तीन पुरुष और तीन बच्चों के मारे जाने की बात कही गई है। मारे गए लोगों में से पांच लोग एक ही परिवार के हैं।

सरकार ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को दफनाने के लिए 20 हजार टके की सहायता राशि देने का एलान किया है। वहीं, घायलों के इलाज के लिए भी इतनी ही राशि दी जाएगी। इसके अलावा आर्थिक सहायता के तौर पर मृतकों के परिवार को पांच लाख टका, जबकि घायलों को तीन लाख टका दिए जाएंगे।

1500 शिक्षक और कर्मचारियों ने विशाल मानव श्रृंखला बनाकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

» स्वीप कार्यक्रम के तहत् विशाल मानव श्रृंखला बनाकर जगाई मतदान की अलख

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान के तहत् स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी रोहित व्यास एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलेश नंदिनी साहू के नेतृत्व में लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है । इसी कड़ी में जिले के स्टेडियम ग्राउंड में लगभग 1500 शिक्षक और कर्मचारियों द्वारा विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण कर मतदाता जागरूकता से जुड़े तरह - तरह के आकर्षक स्लोगन लिखी तख्ती लेकर वृद्ध, युवा, महिला, दिव्यांग, चलो सभी करे मतदान की अपील करते हुए मतदाताओं को आगामी 7 मई को होने वाले लोकसभा निर्वाचन में शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु जागरूक किया । मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के द्वारा उपस्थित सभी शिक्षक और कर्मचारियों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र पैकरा,जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल,जिला मिशन समन्वयक शशिकांत सिंह और सहायक संचालक शिक्षा रविन्द्र सिंहदेव उपस्थित रहे ।

एसईसीएल के क्षेत्री मुख्यालय में पदस्थ सीनियर फाइनेंस मैनेजर के ऊपर लग रहे हैं उगाही के आरोप,एफएम के नाम पर करते है लाखों की वसूली...

फाईनेंस मैनेजर एक फाइल को क्रमशः तीन से चार बार अपने टेबल में क्यों बुलाते है?

- क्या वजह है की एक बार में कमियां न बता कर बार-बार कमियां निकाल बेवजह परेशान करते है या जान बूझ कर तंग करना...पैसे मागने का तरीका है?
- क्या महाशक्ति बस वाले चर्चित प्रकरण में इनकी भूमिका रही महत्वपूर्ण?
- महाशक्ति बस मामले में अधिकारी था मास्टरमाइंड...क्या मामले को रफा-दफा करने के लिए रहा 6 माह रहे फरार?
- क्या सीनियर फाइनेंस अधिकारी के मार्गदर्शन में दिया गया फर्जी भुगतान को अंजाम?
- महाशक्ति बस वाले सहित अन्य प्रकरण को सीबीआई से जांच कराए जाने की उठ रही है मांग...
- कई मामले खुल सकते हैं जांच के उपरांत...अधिकारी की स्थिति संदिग्ध...8 वर्षों में करोड़ों का स्वामी बन बैठा है यह अधिकारी...

गंभीर आरोपों के बाद भी इस अधिकारी का हो रहा प्रमोशन,दे रहा है कई सवालों को जन्म

- रवि सिंह -
चिरमिरी,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मिनी रत्न कंपनी के नाम से विख्यात कोयला कंपनी के अधिकारी इन दिनों नियमों को शिथिल कर अपनी मनमर्जी करने में उतारू है भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानकर अब एक नई परिभाषा ईजाद कर रहे हैं कंपनी की साख को बर्बाद कर रहे हैं एरिया मुख्यालय चिरमिरी में पदस्थ सीनियर मैनेजर फाइनेंस के पद पर विराजमान एक युवा अधिकारी अपने लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ठेकेदार और सप्लायरों को अपनी घटिया अफसर शाही का परिचय देते हुए परेशान कर बेधड़क और पूरी तरह से निडर होकर जम कर वसूली कर रहा है।

बताया जाता है कि वह पिछले 8 साल से एक ही टेबल पर जमा हुआ है पद स्थापना के शुरुआती दिनों में तो काफी ईमानदार बनकर लोगों के बीच खूब सराहा जाता था, इसके ईमानदारी के खूब चर्चे हुए किंतु क्षेत्र की बहुत चर्चित महाशक्ति बस वाली घटना को अंजाम देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद यह बच निकला तब से इसके और हौसले बुलंद हो चले है यह पूरी तरह से संध्यास्पद है, उसे पूरे प्रकरण में कथित तौर पर पूरा दिमाग पूरा मार्गदर्शन बस संचालक को इसी अधिकारी ने दिया था और इसी के मार्गदर्शन पर उक्त बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया जब मामला उजागर हुआ तो यह इसके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध करने की बात होने लग गई तो उस दौरान यह 6 महीना फरार भी था,महाशक्ति बस संचालक और यह अधिकारी की आपसिक सहमति से ही करीब 38 लाख रुपए फर्जी भुगतान कर दिए गए थे,दूसरी फाइल भी इसी तरह की फाइनेंस से इसी के टेबल से गुजरी और बिना कुछ कमी निकाले हुए पास कर दी गई थी और अंत में जाकर अकाउंट में वह फाइल पकड़ाई, बड़ा ईमानदार बनने वाला और बड़ा ऑडिट करने वाला अधिकारी इतना ही ईमानदार था तो यह दो फाइलें उसके टेबल से कैसे निकल गई, खबर यह भी है कि इसकी चिरमिरी कार्यालय में नियुक्ति के बाद जो भी फाइल में पास की गई है उनकी जांच पड़ताल की जाए तो इस अधिकारी के मार्गदर्शन में कंपनियों से कई करोड़ रुपए करीबी ठेकेदारों और सप्लायरों को फर्जी ढंग से भुगतान करा दिए गए हैं, जिसकी जांच कंपनी हित में नितांत आवश्यक है स्थानीय श्रमिक संगठनों के पदाधिकारी ने इसकी सीबीआई से शिकायत करने की बात कही है और उसके बाद जांच करने की मांग की है।

उगाही कर रहा है सभी फाइलों में कम से कम अपने टेबल पर 2 से 3,4 बार कमियां निकाल कर कई कई महीना और सालों तक अपने टेबल के इर्द-गिर्द घूमता है ठेकेदारों और सप्लायरों को परेशान करता है, जब यह थका हारा व्यापारी पूरी तरह से परेशान हो जाता है तो उनसे बड़ी मासूमियत से मिलकर बड़े पैसे का डिमांड करता है और पैसे के मिलते ही उनमें आपत्तियां खत्म कर देता हैं यह सिलसिला बड़े जोर शोर से इसके दफ्तर में चल रहा है इस बात की खबर महाप्रबंधक महोदय से लेकर बिलासपुर के अधिकारियों को भी है लेकिन इसके विरुद्ध किसी तरह की कार्यवाही नहीं किए जाने से कई प्रकार के संदेह उत्पन्न हो रहे हैं। एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र में 8 वर्ष पूर्व पदस्थ मैनेजर फाइनेंस के पद पर एक अधिकारी की नियुक्ति की गई थी वह अधिकारी इस टेबल पर आज तक जमा हुआ है और इस स्थान पर जमे रहने से अब अपनी मनमानी कर रहा है जबकि नियमों के मुताबिक एक टेबल किसी भी अधिकारी और कर्मचारियों को अधिक से अधिक 3 वर्ष तक ही बने रहना है।

फाइल टेबल बार घुमती रहती है...

स्थानीय ठेकेदारों के मुताबिक जब भी कोई प्रपोजल की फाइल इसके टेबल पर जाती है तो उसमें 5-6 पॉइंट्स इंक्वारी में लिख देता है एवं फाइल को वापस संलग्न अधिकारी के पास भेज देता है जब संलग्न अधिकारी उसे 5-6 बिंदु पर इसका स्पष्ट जवाब लिख भेजता है तो फिर वह पुनः उन में चार-पांच बिंदु इंक्वारी लिख देता है, और पुनः संबंधित अधिकारी को उसी प्रपोजल वापस भेजता है इस तरह की प्रक्रिया लगभग सभी फाइलों में चलाई जाती है जब ठेकेदार और सप्लायर परेशान हो जाता है उन्हें पर्सनल एक रूम में बैठाकर बताता है कि पहले भी हम पैसा नहीं लेता था और आज भी नहीं लेता हूं लेकिन नौकरी करना है ऊपर के अधिकारियों को जैसा निर्देश होगा मैं काम करूंगा आप मेरी मजबूरी समझिए फिर बताता है कि एफ.एम. जो आप लोगों के बीच में ईमानदार बने रहते हैं मुझे पैसे की डिमांड करते हैं और मैं कोई आपत्ति नहीं करता मुझे उनके द्वारा यह कहा जाता है कि इस फाइल में इस इस तरह की आपत्तियां कर दो मैं मजबूर होकर उनके दिए गए हुकूम का पालन करता हूं आपको लगता है कि मैं आपको परेशान कर रहा हूं लेकिन वास्तविकता कुछ अलग है...कहेता हैं जो दक्षिणा आप मुझे दोगे मैं अपने उपरोक्त अधिकारियों को प्रदान करूंगा मुझे इस दक्षिण से कोई लेना-देना नहीं है इस तरह से यह पैसे की उगाही भी करता है और ईमानदार भी बना रहता है अपने उच्च अधिकारियों का नाम पर पूरे क्षेत्र के सप्लायरों और ठेकेदारों से जमकर उगाही कर रहा है एक ठेकेदार ने यह भी कहा कि सिनियर मैनेजर फाइनेंस यदि एक बार में ही अपनी सारे बिंदु लिख दें जो उन्हें कमी हमारी फाइलों में समझ में आ रही है तो उसका जवाब सक्षम अधिकारी एक बार में ही दे दे और ठेकेदार का भी भुगतान हो जाए और कंपनी का बेस कीमती समय भी बचे जो काम एक सप्ताह का है उसे इस तरह घुमा कर कई कई महीनो तक खुद भी परेशान रहते हैं और सप्लायरों और ठेकेदारों को भी परेशान करते हैं,, ठेकेदार और सप्लायर अब काम करने से कतरने लगे हैं कई ठेकेदार इसके कारण कंपनी के काम नहीं करते समय पर यदि कार्य नहीं किए जाते तो कंपनी को बाद में और अधिक क्षति उठाना पड़ रहा है।

पिछले तीन-चार वर्षो से कई फाइलें कार्यालय में घूम रही...सप्लायर और ठेकेदार है बेहद परेशान

मुख्य महाप्रबंधक महोदय आपको ज्ञात हो कि आपके कार्यालय में कई दर्जन ऐसी फाइलें हैं जो पिछले चार-पांच वर्षों से भुगतान के बगैर लंबित हैं, कुछ ठेकेदारों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि फाइनेंस सहित कई अन्य टेबलों में पैसे की बड़ी डिमांड की जाती है जब हम पैसा कमाये ही नहीं बस काम पाने के उद्देश्य से 50 से 60 परसेंट काम बिलो रेट में डालकर भी कार्य को कंप्लीट किया गया है काफी घाटा भी हो जाता है यह बात अधिकारियों को भी पता है फिर भी वह हमसे भुगतान के लिए पैसे मांगते हैं हमारी फाइलों में कुछ ना कुछ कमी निकाल कर पिछले तीन-चार सालों से इस टेबल से उस टेबल घुमाया जा रहा है और हर बार कुछ न कुछ कमी निकाल दी जा रही है उसका भुगतान नहीं किया जा रहा है सवाल यह उत्पन्न होता है कि क्या जब तक ठेकेदार इनकी डिमांड की पूर्ति नहीं करेगा तो क्या प्रबंधन उसका भुगतान नहीं करेगा क्या कंपनी में विधि विधान सब कुछ खत्म हो गया है सवाल यह है कि जब आपने सप्लायर से आपके उपयोग में लाई जाने वाले उपकरण या अन्य सामग्रीयां ली जा चुकी है और उसका उपयोग भी किया जा चुका है तो उसका भुगतान आप क्यों नहीं करेंगे?? या नहीं भी करेंगे तो स्पष्ट पत्र देकर उन्हें मना कर दें और फाइलों को डिस्पोजल कर दें लेकिन आप मना ना कर लगातार उनकी फाइलों में कमी निकाल कर उन्हें परेशान कर रहे हैं जो उचित नहीं है।

युवक का अपहरण कर एक माह से बना रखा था बंधक,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

अपहरण के मामले में पुलिस ने आरोपी को बिहार के औरंगाबाद से गिरफ्तार किय है। आरोपी अपने साथियों के साथ युवक का अपहरण कर बिहार लेजाकर बंधक बनाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

कौशल गोस्वामी खडगवां प्रतापपुर का रहने वाला है और अंबिकापुर स्थित सुभाषनगर में रहकर ड्राई वरी का काम करता है। 15 मार्च को घर में बिना बताए कहीं चला गया था। कौशल गोस्वामी के पिता कृष्ण प्रसाद गोस्वामी ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस मामले में गुम इंसान गायम कर तलाशी कर रही थी। विवेचना के दौरान तकनिकी जानकारी प्राप्त कर पुलिस बिहार औरंगाबाद जिले के मदनपुर रवाना हुई थी। पुलिस ने विश्वजीत गोस्वामी के कब्जे से कौशल गोस्वामी को बरामद किया है। आरोपी विश्वजीत गोस्वमी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कौशल गोस्वमी को अंबिकापुर से स्कार्पियो से अपहरण कर मदनपुर में बंधक बनाकर रखा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 365, 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।कार्रवाई में थाना गांधीनगर से सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह, आरक्षक बृजेश राय, देवेंद्र पाठक शामिल रहे।

मां-बेटे के साथ मारपीट करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर टांगी से जानलेवा हमला करने व उसकी मां के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित तीन आररोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार सूची यादव कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मलगवां की रहने वाली है। वह 26 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मेरा लडक़ा रोहित यादव सामान लेने दुकान गया था। वापस आते समय रास्ते में भंजन यादव मिल गया। भजन यादव रोहित से विवाद करने लगा और कहा कि मेरे भाई को तुमलोग जेल भेजवा दिए हो और तुमलोग होली मना रहे हो कह कर गाली गलौज करते हुए टांगी से हमला कर दिया। इस दौरान चिल्लाने की आवाज सुनकर प्रार्थीया मौके पर पहुंची। भोला यादव व बासो यादव ने मारपीट की थी। प्रार्थिया ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी भजन यादव, भोला यादव व बासो यादव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 307, 34 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मनीष सिंह परिहार, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, महिला आरक्षक शांति लकड़ा, आरक्षक उपेंद्र सिंह रमन मण्डल शामिल रहे।

प्रेरणा कार्यक्रम विद्यार्थियों को नैतिक गुणों के साथ सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करता हैः अजय

- केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में आयोजित प्रेरणा उत्सव में हिमांशी व सुमित का चयन
- आयोजन में विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

- संवाददाता -
चिरमिरी/एमसीबी 15 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

केंद्रीय विद्यालय चिरमिरी में एमसीबी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के गरिमामय उपस्थिति में प्रेरणा उत्सव का भव्य आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ। जिसमें प्रेरणा पोर्टल में पंजीकृत जिले के विभिन्न विद्यालयों से 200 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़ चढक़र भाग लिया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री मिश्रा ने बताया कि स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम ÷प्रेरणा÷ के माध्यम से नौवीं से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को नेतृत्व गुणों के साथ सशक्त बनाने और उन्हें एक सार्थक,अद्वितीय और प्रेरणादायक अनुभव प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। यह भारतीय शिक्षा प्रणाली के सिद्धांतों और मूल्य आधारित शिक्षा के दर्शन से विद्यार्थियों को जोड़ने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित है ।

प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी में निबंध कहानी लेखन, कविता, गीत, ड्राइंग आदि प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उत्साह के साथ विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया जिसमें साक्षात्कार के आधार पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मनेंद्रगढ़ के छात्र सुमित कुमार यादव एवं छात्रा- हिमांशी उपाध्याय का चयन निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से किया गया। जिला स्तर चयनितों में से एक उत्कृष्ठ छात्र एवं एक उत्कृष्ठ छात्रा बड़नगर, मेहसाना (गुजरात) की यात्रा कर मूल्य एवं अनुभव आधारित शिक्षा एवं नवाचार की सीख लेकर लाभान्वित होंगे। विद्यालय के प्राचार्य सह जिला नोडल अधिकारी एन.के. सिन्हा ने कहा कि प्रेरणा' एक सप्ताह तक चलने वाला आवासीय कार्यक्रम है। यह प्रायोगिक ज्ञान पर आधारित कार्यक्रम है। जो नई शिक्षा नीति में निर्धारित मूल्यों के अनुरूप भारत में विविधता में एकता, वसुधेव कुटुम्बकम और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा का समावेश करेगा साथ ही यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने में सहायक होगा। विदित हो कि भारत सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उनकी विभिन्न योग्यताओं को उभारने का प्रयास किया गया एवं बच्चों को समझने की क्षमता का आंकलन भी किया गया।

CMYK

उद्योग मंत्री लखन ने भूपेश को भ्रष्ट के साथ सबसे बड़ा घोटालेबाज कहा,जिसने सिर्फ लूटने का किया काम

- संवाददाता -
कोरबा,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर करारा प्रहार करते हुए प्रेस वार्ता में कहा की भूपेश बघेल देश के अब तक के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री थे या यूं कहे के बघेल घोटालेबाजों के थे सरताज । उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार की वजह से उनके लोगों का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कांग्रेस के नेता क्या कह रहे है, क्या बोल रहे हैं ये उनको भी नही पता होता है । प्रेसवार्ता में देवांगन ने भाजपा के संकल्प पत्र पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया की 76 पेज का ये घोषणा पत्र भारत का इतिहास बनेगा। पिछले 10 सालों में जो संकल्प थे वो हमारी सरकार ने पूरा किया है। हमारे संकल्प पत्र से 24 करोड़ लोग

देश में गरीबी रेखा से बाहर आए है। हमने सबको आयुष्मान योजना का सुविधा दिया। इससे लोगों को 5 लाख की मुफ्त इलाज में बहुत बड़ी राहत मिली। हमने घर-घर बिजली पहुंचाया, पानी पहुंचाया अब हमारी सरकार पाइप से घर-घर गैस पहुंचाएगी जिसका लाभ कोरबा को भी मिलेगा। घर-घर सोलर पैनल लगाया जाएगा। जिससे बिजली के खर्च में भी कटौती होगी साथ ही 12 करोड़ किसानों को पीएम किसान निधि योजना का लाभ दिया गया है। आगे भी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के सबको मिलेगा। आजादी के अमृत काल का यह प्रथम चुनाव है। आत्मनिर्भर और विकसित भारत को लेकर यह चुनाव हो रहा है। यह संकल्प पत्र हर प्रकार की सुरक्षा की गारंटी देता है जो नए और श्रेष्ट भारत का ब्लू प्रिंट है। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव लाफचंद बाफना, जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, पूर्व अध्यक्ष अशोक चावलानी, गोपाल मोदी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आधी रात को कलेक्टर-एसपी ने चेकिंग पॉइंट का किया निरीक्षण

» 14 चेकपोस्टों में स्थैतिक निगरानी दल और 12 उड़नदस्ता अवैध कृत्यों पर रखेगी नजर

- संवाददाता -
कोरबा,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक सिद्दार्थ तिवारी ने बीती रात लोकसभा निर्वाचन के लिए गठित स्थैतिक जांच दलों और उड़नदस्तों द्वारा जिले के महत्वपूर्ण स्थानों पर की जा रही जांच व कार्यवाही की टोह ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ संबित मिश्रा भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने रामपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत उच्चभट्ठी, उमरेली और लबेद (तुमान) में स्थैतिक निगरानी दल द्वारा जाँच पॉइंट पर की जा रही जांच को न सिर्फ देखा, बल्कि जांच के दौरान सम्पूर्ण प्रक्रिया का वीडियोग्राफी कराने और बरती जाने वाली सतर्कता और सावधानियों को लेकर भी उन्होंने महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए हैं। गठित स्थैतिक जांच दलों और उड़नदस्तों के प्रत्येक दल में एक मजिस्ट्रेट सहित सहायक अधिकारी, कर्मचारी और पुलिस

कर्मी चेक पोस्ट पर कार्यरत हैं। यह दल प्रमुख मुख्य मार्गीय सड़कों, जिले की सीमाओं पर चेक पोस्ट स्थापित कर जांच अभियान में जुटा है और अपने क्षेत्र में अवैध शराब, रिश्वत की वस्तुओं या भारी मात्रा में नकदी, हथियार एवं गोला-बारूद के लाने एवं ले जाने तथा असामाजिक तत्वों की आवाजाही पर भी नजर रख रहा है। जांच किये जाने की संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है तथा निर्धारित फार्मेट में दैनिक कार्यकलाप की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में हो रही इस जांच में सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए है।

समभाव महिला मंच ने नवरात्र पर श्रद्धालुओं के बीच फल का किया वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

चैत्र नवरात्र के अवसर पर समभाव महिला मंच ने श्रद्धालुओं के बीच फल का वितरण किया। मंच की संस्थापिका वंदना दत्ता, अनुभा डबराल, मुक्ता गुप्ता, अंजना परिहार,श्रद्धा सोनी, नीलिमा मिश्रा, डॉ शबनम,विमला यादव, सोनी सिन्हा,नीतू मिश्रा, स्मिता तिवारी, सरिता सिंह, आशा राणा, संजीता स्वर्णकार, नमिता चावला, उमा वर्मा, मानोबी दत्ता, कुंजबाला जायसवाल, सुनीता लाल, पिंकी छाबड़ा, श्वेता गुप्ता, जयंती तिवारी, रिया तिवारी, मधु चौदहा, मंजूषा भगत, लिली कहकशां, आशा गुप्ता ,नीलम रजवाड़े, रीना जायसवाल, ज्योति द्विवेदी, दीपमाला सिंह और सतनाम छाबड़ा शामिल रहीं।

मंच के सदस्यों ने अलग-अलग ग्रुप बनाकर नगर के दुर्गा मंदिर, समलाया मंदिर और गौरी मंदिर में श्रद्धालुओं और व्रती महिलाओं के लिए फल के पैकेट वितरित किया गया। इस दौरान समभाव महिला

सजग कोरबा के तहत कोरबा पुलिस द्वारा अवैध रूप से देशी कट्टा रखने वाले को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू.बी.एस.चौहान एवं नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्गदर्शन पर कोरबा जिला में अवैध कारोबारियों, शातिर निगरानी, गुण्डा बदमाशो पर आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए आचार संहिता का पालन किए जाने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी को कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं । इसी तारतम्य में दिनांक 15.04.2024 को नगर निरीक्षक कोतवाली मोतीलाल पटेल के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा जरिए सूचना मिला की एक व्यक्ति राताखर देशी शराब भट्टी के पास स्थित गौ माता चौक पर अवैध रूप से देसी कट्टा लेकर बेचने के फिराक से घूम रहा है की सूचना पर हमराह स्टाफ तथा साइबर टीम के द्वारा तत्काल टीम बनाकर

आरोपी को देशी शराब भट्टी राताखार चौक के पास घेराबंदी कर पकड़ा गया।

जिसके कब्जे से 01 नग देशी कट्टा मिला जिसे पूछताछ करने पर अपना नाम विशाल साहू पिता ईश्वर प्रसाद साहू उम्र 28 साल निवासी पुरानी बस्ती कोरबा का रहने वाला बताया । जिससे अवैध रूप से देशी कट्टा रखने के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने बोले जाने पर किसी प्रकार का दस्तावेज नहीं होना बताया गया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा सदर का पाए जाने तथा आरोपी द्वारा अपराध कारित स्वीकार किए जाने पर आरोपी को विधि अनुरूप गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही किया जाकर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है । उपरोक्त कार्यवाही में नगर पुलिस अधीक्षक दर्री तथा नगर कोतवाल निरीक्षक मोतीलाल पटेल के नेतृत्व में सहा.उप निरी टंकेश्वर यादव,अजय सोनवानी,आरक्षक चंद्र कांत गुप्ता, अरुण तिर्की, सुशील यादव, रितेश शर्मा की विशेष सराहनीय भूमिका रही।

मवेशियों को बुचड़खाना ले जाते 02 आरोपी गिरफ्तार

» थाना दरिमा पुलिस टीम द्वारा मामले की गई त्वरित कार्यवाही

» आरोपियों के कब्जे से 05 रास मवेशी किया गया बरामद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत आरोपियों की धरपकड़ जारी हैं इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थी कलेश्वर साहू साकिन खजूरी दरिमा द्वारा थाना दरिमा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 15/04/24 को दो संदिग्ध व्यक्ति ग्राम खजुरी बरीडांड मवेशियों कों मारते पीटते हुए पैदल हाकते हुए झारखण्ड बुचड़खाना की ओर ले जा रहे हैं।

सुचना पर पुलिस टीम द्वारा मौक़े पर रवाना होकर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों कों पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01)चैतराम उम्र 60 वर्ष साकिन साकिन समनिया थाना कापू जिला रायगढ़ (02) नंदकिशोर रात्रे उम्र 21 वर्ष साकिन समनिया थाना कापू जिला रायगढ़ का होना बताये जो आरोपियों के कब्जे से 05 रास मवेशी मौक़े से जप्त किया गया एवं आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर मविशियों कों पैदल हाकते हुए झारखण्ड बुचड़खाना ले जाना स्वीकार किया गया, जो आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से थाना दरिमा मे आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 51/24 धारा छत्तीसगढ़ कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6,10 एवं पशु क्रूरता अधिनियम 11(घ) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना दरिमा से प्रधान आरक्षक सोहरईया टोप्पो, राजेंद्र तिर्की, रामचंद्र कुजूर, मनीजर राम, आरक्षक सुरेश कुमार शामिल रहे।

जिले के विभिन्न मंदिरों एवं देवालयों में की गई विशेष सुरक्षा व्यवस्था

» पुलिस राजपत्रित अधिकारियो के नेतृत्व मे 70 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी विभिन्न मंदिरो एवं देवालयों मे किये गए हैं तैनात

» मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्रो के चैन स्नेचिंग सहित अन्य अप्रिय घटनाओ कों रोकने हेतु सादी वर्दी मे भी पुलिस बल किये गए हैं तैनात

» शहर के विभिन्न चौक चौराहो मे यातायात व्यवस्था बनाये रखने हेतु स्थाई पुलिस पिकेट सहित अतिरिक्त पेट्रोलिंग की भी है व्यवस्था

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत नवरात्री एवं रामनवमी के

अवसर पर जिले मे महामाया मंदिर, दुर्गा मंदिर रामगढ़, मंगरैलगढ़ मे विशेष सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने हेतु राजपत्रित पुलिस अधिकारियो के नेतृत्व मे कुल 70 से अधिक पुलिस अधिकारी/कर्मचारी महिला पुलिस बल, यातायात पुलिस बल सुबह 4:00 बजे से विभिन्न मंदिरो एवं चौक चौराहो मे तैनात किये गए हैं,जिससे आमनागरिकों कों कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े एवं बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था उपलब्ध कराई जा सके, मंदिर परिसर एवं आसपास मे सादी वर्दी मे पुलिस बल तैनात किये गए हैं, जिससे मंदिर परिसर मे भीड़भाड़ वाली जगहों पर चैन स्नेचिंग जैसी अप्रिय घटनाओ पर रोक लगाई जा सके, श्रद्धालुओ कों बेहतर यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न मंदिरो एवं चौक चौराहो मे ट्रैफिक व्यवस्था हेतु यातायात का बल तैनात किया गया हैं।

सरगुजा पुलिस द्वारा नवरात्री एवं रामनवमी के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस पेट्रोलिंग टीम कों भी अलग अलग छेत्रो मे तैनात किया गया हैं, पुलिस पेट्रोलिंग टीम अपने अपने छेत्रो मे लगातार भ्रमण कर व्यवस्था बनाये रखेगी।

शादी में शामिल होने गई युवती से बलात्कार,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

युवती से बलात्कार करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता पूर्व परिचित युवती की शादी में शामिल होने कई थी। 4 अप्रैल को शादी में शामिल होने इंद्रदेव दुबे उर्फ़ देव दुबे निवासी बैढन् आया था। वह प्रार्थिया के कमरे में जाकर जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ बलात्कार किया था। पीड़िता मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376, 506 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

साप्ताहिक बाजार में लोगों को मतदान के लिए किया जागरूक

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाकर विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम माण्डर के साप्ताहिक बाजार में लोगों को शत् प्रतिशत मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया तथा उन्हें मतदान करना क्यों आवश्यक है, बताया गया कि अपने देश के लिए वोट करने की शक्ति लोकतांत्रिक देश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारे देश में बहुत से लोग वोट डालने के पात्र हैं, लेकिन कुछ ही लोग इसके प्रति उत्साहित हैं। हर चुनाव के साथ, मतदान प्रतिशत में सकारात्मक वृद्धि हुई है। मतदान में इस तरह की वृद्धि एक सकारात्मक है, क्योंकि प्रत्येक वोट हमारे देश के बेहतर भविष्य के लिए मायने रखता है।

इस कार्यक्रम में क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शांति देवी, सावित्री, सुशीला का योगदान रहा। शपथ बी पी ओ मोहम्मद महमूद के द्वारा कराया गया यह कार्यक्रम जिला कलेक्टर व निर्वाचन अधिकारी रोहित व्यास के निर्देश व मुख्य कार्यपालन अधिकारी व स्वीप नोडल श्रीमती नंदिनी साहू के मार्गदर्शन पर कराया जा रहा है।

न्यायालय नजुल अधिकारी अम्बिकापुर जिला - सरगुजा ,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 - 202402021200/ अ-6 2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता हैं कि आवेदकगण सीमा कश्यप, आ. स्व. नन्द कुमार कश्यप, मु0 पावर्ती पत्नी स्व. नन्दकुमार कश्यप, ना. बा. आराध्या कश्यप ,आ.स्व. सुनिल कुमार कश्यप ,प्रिया कश्यप,आरूसी कश्यप दोनों आ0 स्व. सुरेन्द्र कश्यप, एवं मु0 गायत्री देवी पत्नि स्वं सुरेन्द्र कश्यप, निवासी - मायापुर ,अम्बिकापुर,सरगुजा(छ0ग0) के द्वारा कथन किया गया हैं कि नगर अंबिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं0 -03 मोहल्ला -मायापुर नजूल भू - खण्ड क्रमांक 1616/ 1 रकबा 0.09 एकड भूमि आवेदक सीमा ना. बा.आराध्या प्रिया आरूसी की नानी एवं मु0 पार्व्रति एवं मु0 गायत्री देवी के सास स्व. शिवकुमार उर्फ शिवकुमारी के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि हैं । भू - धारक कि मृत्यु दिनांक 23.04.2000 को हो गई हैं । तथा भू -धारक के उत्तरधिकारी पुत्र - नन्दकुमार एवं सुरेन्द्र कश्यप की भी मृत्यू पुर्व में हो चुकी हैं । अतःभू -धारक की मृत्यू हो जाने के कारण उक्त वाद्भुमि के अभिलेख से मृत्तक का नाम विलोपित कर आवेदकगण अपना का नाम दर्ज किये जाने बावत् आवेदक द्वारा आवेदन पत्र अंर्तगत धारा 109, 110, छ0ग0 भू -राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया हैं।

अतःउक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/ 04 /2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । नियत के बाद प्राप्त दावा /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 12 /03/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया ।

सील

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 /अ-02/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है है कि आवेदक अशोक दास बघेल आ0 रामप्रसाद जाति पनिका निवासी ग्राम बेलदगी तह0 लखनपुर,जिला सरगुजा द्वारा अपने राजस्व व आधिपत्य की ग्राम बेलदगी तह0 लखनपुर स्थित भूमि खसरा क्र0 99/02, 102/2 रकबा क्रमशः 0.016, 0.024 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन के व्यपवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्र दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/03/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) उदयपुर,सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा. अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0...../अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनीता मिंज पिता कमल राम जाति उरांव निवासी लटोरी तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 31/7 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी 1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 29/04/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/04/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील

अनुविभागीय अधिकारी
(रा0)अम्बिकापुर

पहाड़ी कोरवा बसाहटों में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने लालमाटी पहुंचकर दिलाई शत-प्रतिशत मतदान की शपथ

अंबिकापुर,16 अप्रैल 2024 (घटती-घटना)। आदिवासी बहुल सरगुजा जिले में पहाड़ी कोरवा मतदाताओं को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करने इन बसाहटों में विशेष स्वीप जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य के साथ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोस्कर के नेतृत्व में जारी यह जागरूक अभियान मंगलवार को लुण्ड्रा विकासखंड के पहाड़ी कोरवा ग्राम लालमाटी पहुंचा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री भोस्कर ने मिडिल स्कूल परिसर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होकर लोगों से मतदान अवश्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके एक-एक वोट का लोकतंत्र में महत्व अमूल्य है। मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। उन्होंने इस दौरान निष्पक्ष, निर्भीक और स्वतंत्र मतदान हेतु उपस्थित सभी लोगों को आगामी मतदान दिवस पर मतदान जरूर करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर पहाड़ी कोरवा बुजुर्ग महिला गेदी, मानकुंवारी और मुंदरी ने कहा कि वे 7 मई को वोट देने जरूर जायेंगे।

CMYK

सुरेश रैना और क्रिस गेल जैसे धाकड़ खिलाड़ी टी 20 लीग में बिखेरेंगे अपना जलवा

- वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी 20 में कई देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे...
- सुरेश रैना और क्रिस गेल जैसे धाकड़ खिलाड़ी इस लीग में बिखेरेंगे जलवा
- इस टी20 लीग में छह टीमों के बीच 19 मैच खेले जाएंगे

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2024। वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के कई दिग्गज खिलाड़ी दिखेंगे। टूर्नामेंट में छह टीमों के बीच 19 मैच खेले जाएंगे। आयोजक कभी भी टूर्नामेंट की तिथियों और स्थान की घोषणा कर सकते हैं।

आयोजकों ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य उन सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करना है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में अलग पहचान बनाई है। इस टूर्नामेंट में क्रिस गेल,सुरेश रैना,केविन पीटरसन, शाहीद अफरीदी, थिसारा परेरा, ड्वेन स्मिथ, पीटर ट्रेगो जैसे दिग्गज क्रिकेट खेलते दिखेंगे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ, सुदीप त्यागी, शादाब जकाती समेत कई अन्य खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। आयोजकों ने बताया, वर्ल्ड मास्टर्स लीग टी20 के लिए संपूर्ण कार्यक्रम, स्थान और फ्रेंचाइजी के नामों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। पूर्व भारतीय घरेलू क्रिकेटर जेसल कारिया, बिपुल शर्मा, अमितोज सिंह, अनुरीत सिंह, अभिमन्यु मिथुन, ईश्वर चौधरी और रॉबिन बिस्ट ने भी इस टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण कराया है। इस टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ी मैदान पर अपना कौशल दिखाने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे दर्शकों को शानदार मैच देखने को मिलेंगे।

1 मई तक खेल सकेगा मुस्तफिजुर रहमान

चेन्नई,16 अप्रैल 2024। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बड़ी खबर है। दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीएसके के लिए मुस्तफिजुर रहमान के अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी एनओसी को कुछ समय के लिए बढ़ा दिया है। वे पहले 30 अप्रैल को बांग्लादेश लौटने वाले थे, लेकिन अब 2 मई को रहमान स्वदेश लौटेंगे। इस तरह वह सीएसके के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ एक मई को चेन्नई में होने वाले मैच के लिए भी मौजूद रहेंगे। मुस्तफिजुर रहमान अब तक चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2024 में पांच मैच खेल चुके हैं। जबकि टीम ने 6 मुकाबले खेले हैं। वे कुछ दिन के लिए बांग्लादेश गए थे, क्योंकि उनको यूएसए का वीजा प्रोसेस करना था। हालांकि, अब वे अगले 4 मैचों के लिए मौजूद रहेंगे। सीएसके को लगातार दो मैच 19 और 23 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलने हैं। 28 अप्रैल को हैदराबाद और 1 मई को पंजाब के खिलाफ खेलना है। एक मई के बाद यानी दो मई को मुस्तफिजुर रहमान बांग्लादेश लौटेंगे, क्योंकि जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टी20 सीरीज 2 मई से शुरू हो रही है। इसके बाद टीम को अमेरिका के खिलाफ टेक्सास में 21 मई से टी20 सीरीज खेलनी है। इस कारण से आईपीएल 2024 के बाकी मैच वे सीएसके के लिए नहीं खेल पाएंगे। एक मई को होने वाला मैच उनके लिए इस सीजन का आखिरी मैच होगा।

संक्षिप्त खेल समाचार

ग्लेन मैक्सवेल ने बीच आईपीएल छोड़ा आरसीबी का साथ

नई दिल्ली,16 अप्रैल 2024। आईपीएल 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु की हालत बहुत खराब है. टीम बैक टू बैक मैच हार रही है. इसी बीच टीम के लिए एक और बड़ी खबर सामने आई है. आरसीबी के स्टार क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2024 के बीच ब्रेक का ऐलान कर दिया है. असल में पिछले दिनों मैक्सवेल को इंजरी हुई थी, इसके पीछे वजह उनकी मानसिक और शारीरिक थकान है. जी हां, खुद मैक्सवेल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को ये वजह बताई है. साथ ही ये भी कहा है कि यदि वह जल्दी इससे उबरने में कामयाब होते हैं, तो वह इस सीजन के बचे हुए मैचों के लिए वापसी कर सकते हैं.

आईपीएल 2024 के बीच ग्लेन मैक्सवेल के ब्रेक लेने के फैसले ने सभी को हैरान कर दिया है

फुटबॉलर बनकर चमक रहे हैं नक्सल प्रभावित नारायणपुर में सर्वेक्षित अबूझमाड़ के युवा

नारायणपुर,16 अप्रैल 2024। छत्तीसगढ़ के सर्वाधिक उग्रवाद प्रभावित नारायणपुर जिले में नक्सलियों का गढ़ माने जाने वाले क्षेत्र अबूझमाड़ के युवा रामकृष्ण की मेजबानी में आयोजित होने वाले एक टूर्नामेंट के दौरान अपने फुटबॉल कौशल से चमकने, चौंकाने और कई अन्य लोगों को प्रेरित करने के लिए तैयार हैं। स्वामी विवेकानन्द के नाम पर यहाँ मिशन आश्रम है। राष्ट्रीय स्तर का यह टूर्नामेंट सिर्फ इसलिए खास नहीं है क्योंकि इसका आयोजन यहां नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले में किया जा रहा है, बल्कि यह फुटबॉल प्रतियोगिता इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकांश खिलाड़ी अबूझमाड़ क्षेत्र से हैं।

यह चैंपियनशिप उग्रवाद प्रभावित बस्तर संभाग के कई अन्य लोगों के लिए फुटबॉल को अपना करियर बनाने का द्वार खोल सकती है क्योंकि रामकृष्ण मिशन के खिलाड़ियों से प्रमुख क्लब संपर्क कर रहे हैं और अगर सब कुछ ठीक रहा तो उन्हें विदेशी धरती पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है।

मोहन बागान ने पहला आईएसएल लीग शील्ड जीता

फाइनल में मुंबई सिटी को दी मात

कोलकाता,16 अप्रैल 2024। मोहन बागान ने मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर पहली आईएसएल लीग शील्ड जीत ली। लिस्टन कोलासो ने 28वें और जैसन कमिंस ने 80 वें मिनट में मोहन बागान के लिये गोल दागे। मुंबई सिटी एफसी के लिये एकमात्र गोल लालियांजुआला छांगटे ने 89 वें मिनट में किया। यह दो बार की विजेता मुंबई पर मोहन बागान की पहली जीत थी।

इस जीत से बागान को पहली बार एएफसी चैम्पियंस लीग 2 में भी पहली बार जगह बना ली। इसके साथ ही लीग चरण के मुकाबले खत्म हो गए और अब 19 अप्रैल से छह टीमों का प्लेआफ होगा। शीर्ष दो टीमें मोहन बागान और मुंबई सिटी सीधे सेमीफाइनल खेलेंगी जबकि तीसरे से छठे स्थान पर रही गोवा, ओडिशा, केरला ब्लास्टर्स और चेन्नइयिन एफसी नॉकआउट प्रारूप में एकल चरण के प्लेआफ खेलेंगी।आईएसएल फाइनल चार मई को होगा। मोहन बागान की हौसलाअफजाई के लिये आईपीएल की लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल भी मौजूद थे।

फिल्म कांगुवा का दमदार पोस्टर जारी

सूर्या के दोहरे किरदार की झलक देखकर फैंस हुए उत्साहित

तमिल सुपरस्टार सूर्या के फैंस उनकी फिल्म कंगुवा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब फैंस की बेताबी को देखते हुए फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया गया है। सूर्या ने भी इसे अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया है। इसे देखने के बाद फैंस काफी ज्यादा खुश हैं। हालांकि, पोस्टर में सिरुथाई शिवा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है, जिससे प्रशंसकों को थोड़ी निराशा भी हुई है। जारी किए गए पोस्टर में अभिनेता डबल रोल में नजर आ रहे हैं। उनका एक किरदार 500 साल पुराना तो वहीं दूसरा किरदार मौजूदा समय का नजर आ रहा है। कांगुवा के नए पोस्टर में सूर्या के दोहरे किरदारों का आमना-सामना होता दिख रहा है और उनके पास अपने-अपने समय का एक हथियार भी हैं। कांगुवा एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो वर्तमान को 500 साल पहले हुई घटना से जोड़ती नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांगुवा को 300 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के वीएफएक्स के काम में अभी समय लगेगा, जिसकी वजह से इसकी रिलीज डेट की घोषणा नहीं की जा रही है।साथ ही, यह भी बताया जा रहा है कि फिल्म का कुछ पैचवर्क भी शूट किया जाना बाकी है और फिल्म का सीक्वल बनने की तैयारी है। इस फिल्म में बॉबी देओल नकारात्मक किरदार में नजर आएंगे। वहीं, दिशा पटानी इसमें मुख्य अभिनेत्री के रूप में दिखेंगी। मेकर्स ने कांगुवा को 10 भारतीय भाषाओं में रिलीज की योजना बनाई है।

अदिति ने उड़ारियां में सीखा ऑन-स्क्रीन रोमांस

शो उड़ारियां में आसमा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अदितिने बताया कि इस शो ने उन्हें ऑन-स्क्रीन रोमांस करना सिखाया है।अदिति ने बताया कि वह शो में पहली बार रोमांटिक सीन कर रही हैं और वह स्वीकार करती हैं कि कभी-कभी उन्हें ऐसा करना मजेदार भी लगता है।उन्होंने कहा, उडारियां ने मुझे सिखाया कि ऑन-स्क्रीन रोमांस कैसे किया जाता है। मैं मजाक नहीं कर रही हूं, ऐसे सीन को शूट करना बहुत मुश्किल है क्योंकि कभी-कभी मुझे सीधा चेहरा बनाए रखना मुश्किल लगता है लेकिन एक कलाकार के रूप में आपको किसी भी दृश्य को करने के लिए तैयार रहना पड़ता है और मुझे लगता है कि मैं उसमें महारत हासिल कर रही हूं।उन्होंने आगे कहा, मुझे फाइट सीक्वेंस करने में भी मजा आ रहा है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं टीवी पर एक्शन सीन करूंगी।एक्ट्रेस रोजाना सेट पर आने को आतुर रहती हैं। वह कहती हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें अपना काम इतना पसंद है कि अगर संभव हुआ तो वह सेट पर ही रहेंगी।अदिति ने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। हर दिन जब मैं उठती हूं, तो मेरा दिल कृतज्ञता से भरा होता है, और इतने लोकप्रिय शो में मुख्य भूमिका निभाने के लिए मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि मेरे काम के प्रति मेरे मन में जो प्यार है, वह मुझे हर दिन काम पर आने के लिए प्रेरित करता है।उन्होंने आगे कहा, मैं यहां चंडीगढ़ में शूटिंग के लिए अपने परिवार से दूर हूं और मेरा काम का शेड्यूल वास्तव में इतना व्यस्त है कि कभी-कभी मैं कई दिनों तक अपनी मां से बात भी नहीं करती हूं।उड़ारियां कलर्स पर प्रसारित होता है।

क्या हो गया है ईशा मालवीय और समर्थ ज्यूरेल का ब्रेकअप?

समर्थ जुरेल और ईशा मालविया ने बिग बॉस 17 में एक साथ रहने के दौरान बहुत ही नाटकीय तरीके से अपने रिश्ते को आधिकारिक बना दिया। जिन कलाकारों के शो उड़ारियां में उनके कार्यकाल के दौरान एक-दूसरे को डेट करने की अफवाह थी, उन्होंने बिग बॉस में अपने रिश्ते की पुष्टि की।

खैर, जब से दोनों बिग बॉस के घर से बाहर आए हैं, तब से दोनों के बीच खटपट की खबरें आ रही हैं। हालाँकि, न तो ईशा और न ही समर्थ ने इस पर कोई टिप्पणी की है। ऐसा लगता है कि दोनों ने आखिरकार अपने ब्रेकअप की सभी अफवाहों को स्वीकार करते हुए अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। हालांकि यह उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका था, लेकिन इसके कारण को लेकर अटकलें अब तक चरम पर हैं। काम के मोर्चे पर, जहां समर्थ के प्रशंसक उनकी ऑनस्क्रीन वापसी का इंतजार कर रहे हैं, वहीं ईशा मालवीय को कई संगीत वीडियो में देखा गया है। पार्थ समथान के साथ अभिनेत्री का आगामी वीडियो बहुप्रतीक्षित रहा है।

बढ़ रहे हैं वन फिल्म इंडस्ट्री की ओर

जूनियर एनटीआर का करण जौहर के साथ उनकी फिल्म देवारा- पार्ट 1 के वितरण और विपणन के लिए सहयोग को भारतीय सिनेमा के विकास में एक मील का पत्थर के रूप में देखा जा रहा है। यह जूनियर एनटीआर को अखिल भारतीय प्रसिद्धि और पहचान देता है, विशेष रूप से आगामी यशराज फिल्म वॉर 2 में ऋतिक रोशन के साथ उनकी भूमिका के प्रकाश में, और आगे चलकर दोनों उद्योगों के बीच अधिक तालमेल वाले रिश्ते के लिए मंच भी तैयार करता है।

अपनी आगामी फिल्म से जूनियर एनटीआर का एक जीवंत पोस्टर साझा करते हुए, करण ने सोशल मीडिया पर विकास के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। धर्मा प्रोडक्शंस के पीछे पावरहाउस के रूप में, जो बाहुबली- द बिगिनिंग और 2.0 जैसी ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों का समर्थन करने के लिए जाना जाता है, देवारा:भाग 1 में करण की भागीदारी परियोजना के आसपास प्रत्याशा को बढ़ाती है।

उत्साह का संचार जान्हवी कपूर ने किया, जो देवारा के साथ अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर करण की घोषणा साझा की और 10 अक्टूबर को दर्शकों का इंतजार करने वाले रोमांचक सिनेमाई अनुभव का संकेत दिया। फिल्म के सह-निर्माता, युवासुधा आर्ट्स, एक भव्य रिलीज का वादा करते हुए इसमें शामिल हुए। जूनियर एनटीआर 2022 में आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद देवारा: भाग 1 के साथ सिल्वर स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म में एक शानदार कलाकार के साथ सैफ अली खान नायक के रूप में, और प्रकाश राज, मुरली शर्मा और अभिमन्यु सिंह जैसे प्रशंसित कलाकार शामिल हैं। माने फिल्म समीक्षक तरण आदर्श कहते हैं, जब बॉलीवुड और टॉलीवुड एक साथ आते हैं, तो यह सिर्फ व्यवसाय के बारे में नहीं है; यह कहानियों को साझा करने और भारतीय सिनेमा की विविधता का जश्न मनाने के बारे में है। ये साझेदारियाँ सिनेमाई परिदृश्य को समृद्ध करती हैं और अधिक समावेशी कहानी कहने का मार्ग प्रशस्त करती हैं।

मनोरंजन उद्योग पर नजर रखने वाले और फिल्म समीक्षक श्रीधर पिल्लई, टॉलीवुड फिल्मों के लिए वितरण और विपणन भूमिकाएं निभाने के लिए बॉलीवुड की हालिया प्रवृत्ति के बारे में विस्तार से बताते हैं। जूनियर एनटीआर के देवारा- पार्ट 1 के वितरण में करण जौहर की भागीदारी दोनों उद्योगों के बीच बढ़ते तालमेल का उदाहरण है।

मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं...

अभिनेता जॉनी डेप ने जीन डु बैरी का हिस्सा होने के अपने अनुभव को साझा किया और कहा कि उन्हें फ्रांसीसी राजा की भूमिका की पेशकश करने के लिए अजीब, विचित्र, विकृत रूप से भाग्यशाली महसूस हुआ। वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, लुई एक्सव्ही अपनी फिल्म के यूके प्रीमियर में। जीन डु बैरी एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म है, जो मैवेन द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है और इसमें खुद और जॉनी डेप प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसमें पियरे रिचर्ड, बेंजामिन लावर्नहे, नोएमी लावोव्स्की, पास्कल ग्रेगोरी, मेल्विल पौपौड और इंडिया हेयर भी हैं। डेप ने फिल्म के सह-कलाकार और निर्देशक मेवेन के साथ मेफेयर के कर्जन थिएटर में मंच पर फिल्म का संक्षिप्त परिचय दिया। लंदन में एक दुर्लभ सार्वजनिक उपस्थिति के दौरान मंच पर उन्होंने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं कि मुझे (भूमिका की पेशकश की गई) - अजीब, अजीब, विकृत रूप से भाग्यशाली। क्योंकि जब मैवेन और मैं पहली बार मिले और फिल्म में काम करने और फ्रांस के राजा लुई एक्सव्ही की भूमिका निभाने के विचार के बारे में बात की-तो देखिए, तभी आपके दिमाग में तुरंत क्या होता है कि आप तुरंत केंटुकी वापस चले जाते हैं, जहां, जैसे , सब कुछ तला हुआ है। तो आपको एहसास होता है कि आप कहीं से नहीं आए हैं और अचानक आप फ्रांस के राजा की भूमिका निभा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29 नक्सली मारे

- 25-25 लाख के दो इनामी मारे गए...
- 3 जवान घायल...साढ़े 5 घंटे चली मुठभेड़...
- छोटेबेठिया थाना के बिनागुंडा के जंगल में हुई मुठभेड़...
- मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है...
- मुठभेड़ में 7 एके 47, 4 आटोमेटिक हथियार सहित भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया गया हैं...

कांकेर,16 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के थाना छोटेबेटिया क्षेत्रांतर्गत बिनागुंडा एवं कोरोनार के मध्य हापाटोला के जंगल में डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त पार्टी और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में लगभग 29 नक्सली ढेर हो गए हैं। मुठभेड़, मंगलवार को दोपहर डेढ़ बजे से लेकर शाम लगभग चार बजे तक चली। जवानों ने मारे गए सभी 29 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। मारे गए नक्सलियों में 25-25 लाख रुपये के इनामी नक्सलियों के टाप कमांडर शंकर राव और महिला नक्सली ललिता के साथ राजू भी शामिल हैं। शेष अन्य शवों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ में बीएसएफ के इंस्पेक्टर सहित तीन जवान घायल हुए हैं। इन्हें एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया जा रहा है। मृत नक्सलियों के शवों के पास से सात एके 47 और तीन एलएमजी हथियार और इंसास रायफल की बरामदगी की गई है।

मुठभेड़ में बीएसएफ के इंस्पेक्टर समेत दो जवान घायल हो गए हैं। इंस्पेक्टर रमेश चंद्र चौधरी के पैर में गोली लगी है, जबकि डीआरजी जवान सूर्यकांत श्रीमाली सहित एक अन्य जवान घायला है। घायल जवानों को रायपुर के देवेंद्र नगर स्थित नारायणा अस्पताल रेफर किया गया है। जवानों ने 29 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए हैं। कांकेर जिले के एसपी आईके एलेसेला ने जानकारी देते हुए कहा कि छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के जंगलों में मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड में कई नक्सलियों के मारे जाने और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में सर्चिंग अभियान जारी है। मुठभेड़ में तीन जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है। घायल जवानों को बेहतर उपचार के लिए आवश्यक इंतजाम किया जा रहा है।

बीजापुर में 10 दिन पहले 13 नक्सली हुए थे ढेर

बीजापुर जिले के कोरचोली और लेंड्रा के जंगल में हुए मुठभेड़ में पुलिस ने 13 नक्सलियों को मार गिराया था। यही नहीं लगभग इतनी ही संख्या में नक्सली बुरी तरह से घायल भी हुए थे। गंगालूर थाना क्षेत्र के लेंड्रा में दो अप्रैल को हुए मुठभेड़ में 13 में से 11 नक्सली की पहचान हुई थी। इसमें पीएलजीएस कंपनी दो के सुखराम हेमला, हूंगा परसी, लक्खू कोरसा, डिवीसीएम सीतक्का (जितरू , डीवीसी की पत्नी), दुला कुहराम, सोनू अवलम, सुदरू हेमला, चैतु पोटाम, लच्छू कड़ती, लक्ष्मी ताती व कमली कुंजाम के रूप में हुई थी।

हाल ही में हुई थी उच्च स्तरीय बैठक

छह दिन पूर्व दो दिवसीय दौरे पर गृहसचिव अजय कुमार भल्ला और आइबी के डायरेक्टर तपन कुमार डेका पहुंचे थे। उन्होंने बैठक ली। बैठक में 10 राज्यों के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी भी आनलाइन शामिल हुए। साथ ही बैठक में शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव और नक्सल इलाकों में रणनीति को लेकर चर्चा की गई है। वहीं इंटेलिजेंस ब्यूरो के इनपुट के आधार पर नक्सल मोर्चो में आगे कई खुफिया आपरेशन की रणनीति बनाई गई। साथ ही खुफिया सूचना पर कश्मीर की तरह टारगेट बेस आपरेशन लांच करने पर बात की गई थी। कांकेर में मुठभेड़ का असर सीधे तौर पर दिख रहा है।डीआईजी इंटेलिजेंस आलोक कुमार सिंह ने बताया की काफी दिनों से नक्सल कमांडर की इलेक्शन को लेकर का कांकेर की सिचवेशन को लेकर सेंट्रल कमेटी और सब जोनल कमेटी की कमांडर की मूवमेंट की खबर मिल रही थी इसके लिए पुलिस और बीएसएफ आपरेशन की तैयारी कर रहे थे उसी के तहत आज ऑपरेशन प्लान किया था आज हमारे पास बीएसएफ के पुख्ता जानकारी थी।पुलिस ने भी कन्फर्म किया जिसके बाद हमने आपरेशन में बड़ी तादात में 185 के करीब एक जगह और 200 के करीब एक जगह नक्सली को ऑपरेट करा रहे थे और हमे और खबर मिली की शंकर राव और दूसरे सीनियर सेंट्रल कमांडर रामवेद की मौजूदगी की खबर मिली जिसके बाद खबर मिलते ही ऑपरेशन को लॉन्च किया और बीएसएफ की कमांडो प्लाटून जिसको लीड कर रहे थे रमेश चंद्र चौधरी जिनकी सबसे पहले नक्सलियों से मुठभेड़ हुई है।

बीएसएफ कमांडो प्लाटून जो पूर्व दिशा से नक्सलियों से अटैक किया जिसमे बड़ी संख्या में नक्सली घायल हुए नक्सलियों के पास कोई रास्ता नहीं बचा था। दूसरे नाले की तरफ से डीआरजी की टीम ने घेर रखा था जिसमे ये नक्सली मारे गए है। ये बहुत बड़ी ऐतिहासिक सफलता है खासकर के जनता के लिए जो प्रशासन ने आश्वासन दिया था शांतिपूर्ण चुनाव के लिए जनता को जो पुलिस और हमारी ओर से वोटिंग के लिए संदेश दे रहे थे। चुनाव से पहले ये कांकेर की जनता को बहुत बड़ा तोहफा माना जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका फिर हुई खारिज

रायपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। रायपुर। सौम्या चौरसिया की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। मंगलवार को दूसरी जमानत याचिका पर रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया। पूर्व सीएम की उपसचिव सौम्या चौरसिया 16 महीनों से कोल स्कैम में जेल में बंद है।

शराब घोटाले में एक बार फिर एक्शन में होगी ईडी

दर्ज करेगी नई ईसीआईआर

रायपुर,16 अप्रैल 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से झटका खाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक बार फिर एक्शन शुरू करेगी। इसी हफ्ते ईडी घोटाले से संबंधित नई ईसीआईआर (इंफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट) दर्ज करेगी। इसके बाद फिर से धरपकड़ शुरू होगी। तब तक छत्तीसगढ़ सरकार की एजेंसी राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) अपनी जांच जारी रखेगी। नई ईसीआईआर की ईडी के अफसरों ने तैयारी शुरू कर दी है। अफसर नई रिपोर्ट के लिए केस से जुड़े उन कमियों को तलाश रहे हैं, जिसकी वजह से सुप्रीम कोर्ट ने केस को ही खारिज कर दिया था। अब ऐसी कमियों को दूर कर नई ईसीआईआर कायम की जाएगी, जिससे वे किसी भी कोर्ट में अपने केस को मजबूती से रख सकें।

इसी महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में चल रहे ईडी के शराब घोटाले केस की अंतिम सुनवाई हुई। सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में 5 याचिकाएं थीं। पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, उनके बेटे यश टुटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर, उनकी पत्नी करिश्मा ढेबर, आबकारी विभाग के पूर्व विशेष सचिव अरुणपति त्रिपाठी और सिद्धार्थ सिंघानिया ने याचिका लगाई थी। इन सभी के केस की संयुक्त सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला देते हुए केस को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इस केस में मनी लॉन्ड्रिंग कहीं से साबित करने में एजेंसी नाकाम रही है। साथ ही यह भी साबित नहीं कर सकी कि अपराध से रकम कमाई गई है।

पांच में से तीन फिर गिरफ्तार

ईडी ने पिछले साल अप्रैल में जब केस पर जांच शुरू की तो मई से जून के बीच पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें सबसे पहले कारोबारी अनवर ढेबर थे। इसके बाद कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लन, नितेश पुरोहित, अधिकारी एपी त्रिपाठी और अरविंद सिंह अगले एक महीने में गिरफ्तार किए गए। अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लन और नितेश पुरोहित पिछले साल जुलाई-अगस्त में जमानत में बाहर आ गए। सूबे में जब सरकार बदली तो ईडी की उसी रिपोर्ट ईओडब्ल्यू ने केस दर्ज कर लिया। 70 लोगों को ब्यूरो ने आरोपी बनाया है। फरवरी में हाईकोर्ट ने एपी त्रिपाठी को जमानत दी, जो करीब 8 महीने जेल में रहने के बाद बाहर आए थे। इसके बाद 2 अप्रैल को हाईकोर्ट ने इस केस के आखिरी आरोपी अरविंद सिंह को जमानत दी। जमानत पर 3 अप्रैल की रात जैसे ही अरविंद बाहर आए, जेल के बाहर ईओडब्ल्य की टीम उन्हें अपने साथ ले गई। दूसरे दिन यानी कि 4 अप्रैल को अनवर ढेबर को भी गिरफ्तार कर लिया गया। हफ्तेभर बाद बिहार से एपी त्रिपाठी को भी गिरफ्तार किया गया है। अभी तीनों 18 अप्रैल तक ब्यूरो की रिमांड में है।

अनुकंपा नियुक्ति के निर्देशों का कड़ाई से करें पालन

जीएडी ने जारी की गाइडलाइन

रायपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है। इसमें जानकारी दी गई है कि अनुसूचित क्षेत्र में शासकीय सेवकों के निधन पर आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति में 10 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया है, जो वर्तमान में प्रभावशील है।

आवेदन में देरी से होता है नुकसान

जीएडी ने उल्लेख किया है कि कई जिलों से ये शिकायत आ रही है कि अनुकंपा नियुक्ति को लेकर आवेदन पत्र संबंधित पक्षों को एक माह के भीतर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है, जिसकी वजह से शासकीय सेवक के निधन के बाद आश्रित परिवार को अनुकंपा नियुक्ति का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जीएडी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अनुकंपा नियुक्ति को लेकर जो निर्देश पूर्व में जारी है, उसका कड़ाई से पालन करें।

जीएडी ने अपने दिशा-निर्देश में हाल ही में जोड़े गए नए नियम का भी उल्लेख किया है। जिसके तहत संबंधित जिले में पद रिक्त नहीं होने पर आवेदन संभागायुक्त को भेजा जायेगा। वहीं अनुकंपा नौकरी की पात्रता को लेकर भी स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं।

प्रवेश परीक्षाओं की तारीख में बदलाव

व्यापमं ने जारी किया आदेश

रायपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं की तारीख में बदलाव किया है। माना जा रहा है कि परीक्षा की तारीखों में यह बदलाव लोकसभा चुनाव की वजह से किया गया है। व्यापम की अधिसूचना में कहा गया है कि लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित होने के कारण प्रवेश एवं पात्रत परीक्षाओं की पूर्व निर्धारित परीक्षा तिथियों में संशोधन किया गया है। व्यापम ने इसके पहले परीक्षा की संभावित तिथि 12 फरवरी को जारी की थी। उस वक्त लोकसभा चुनाव की तिथियां घोषित नहीं की गई थी। अब चुनाव की तारीखों केआधार पर व्यापम ने नई समय सारिणी घोषित की है।

बीते वर्ष आरक्षण संबंधित विवाद के कारण व्यापम द्वारा तय समय पर प्रवेश परीक्षाएं नहीं ली जा सकी थी। अन्य भर्ती परीक्षाओं की तरह प्रवेश परीक्षाओं में भी विलंब इसके कारण हुआ था। जुलाई माह तक व्यापम ने प्रवेश परीक्षाएं ली थी। कई के परिणाम अगस्त माह तक जारी किए गए। थोक में ऐसे पाठ्यक्रम रहे, जिसमें प्रवेश प्रक्रिया अथवा काउंसिलिंग सितंबर महीने से ही शुरु हो सकी। इस बार भी लगातार दूसरे वर्ष व्यापम की परीक्षा जुलाई माह तक चलेगी। ऐसे में प्रवेश में पुनः अगस्त-सितंबर से प्रारंभ होने की आशंका है। शिक्षक पात्रता परीक्षा की तिथि यथावत रखी गई है। यह परीक्षा 23 जून को ही होगी।

उत्तर कॉपियों की जांच हुई पूरी

इस दिन जारी किए जा सकते हैं परिणाम

रायपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल यानी सीजी बोर्ड के 10वीं और 12वीं के परिणाम एक पखवाड़े के अंदर जारी हो सकते हैं। माशिमं ने बोर्ड परीक्षा परिणाम जारी करने की पूरी तैयारी भी कर ली है। खबरें आ रही है कि 10वीं और 12वीं के रिजल्ट 30 अप्रैल तक घोषित हो सकते हैं।

कॉपियों के मूल्यांकन का कार्य 14 अप्रैल को पूरा हो चुका है। रिजल्ट ऑनलाइन माध्यम से बोर्ड अध्यक्ष की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषित किया जायेगा। इसके बाद उसका लिंक ऑफिशियल वेबसाइट सीजीबीएसई.एनआईसी.आईएन पर डाल दिया जाएगा। ताकि छात्र रोल नंबर से अपने रिजल्ट चेक कर सके।

फिलहाल बोर्ड की ओर से परीक्षा के परिणाम की तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। मगर कॉपियों की जांच के बाद 15 दिन के अंदर रिजल्ट तैयार हो सकता है। इस तरह से 30 अप्रैल या एक मई को परीक्षा परिणाम जारी किये जा सकते हैं।

इस तरह चेक कर सकते हैं अपना रिजल्ट

छत्तीसगढ़ माशिमं की आधिकारिक वेबसाइट सीजीबीएसई.एनआईसी.आईएन पर जाएं। जिस क्लास का रिजल्ट चेक करना है उस पर क्लिक करें।

मांगी गई जानकारी के साथ दिया गया कैप्चा कोड भरकर सबमिट करें।

आपकी मार्कशीट स्क्रीन पर आ जाएगी। यहां से आप रिजल्ट डाउनलोड कर सकते सकते हैं।

करोड़ों के टैक्स चोरी मामलें में हुआ बड़ा खुलासा

जीएसटी विभाग ने की बड़ी कार्रवाई

रायपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। करोड़ों की जीएसटी चोरी के मामले में सी जीएसटी कमिश्नरी रायपुर में कारोबारी संदीप बंसल को रिमांड पर भेजा है। संदीप ने पूर्व में गिरफ्तार हेमंत कसेरा ले 7 करोड़ रूपए के फर्जी आईटीसी लेने की बात स्वीकारा है।

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में हुई लीपा-पोती की जांच करेगी केंद्रीय टीम

1820 किमी सड़क की मंजूरी और बनी सिर्फ 196 किमी

रायपुर,16 अप्रैल 2024 (ए)। केंद्र सरकार के अधिकारियों की टीम छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़कों की क्वालिटी की भी जांच करेंगे. अधिकारी ये भी जानने की कोशिश करेंगे कि किन कारणों से राशि स्वीकृत होने के बाद भी छत्तीसगढ़ में उक्त योजना के तहत काम इतना धीमा क्यों चल रहा है।

छत्तीसगढ़ के जिलों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़क का काम अभी भी अधूरा पड़ा है। जिसकी वजह से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इस बीच हुई बारिश ने लोगों की दिक्कतें और बढ़ा दी है। जिन सड़कों में गड्ढे थे उनमें पानी भर गया है। जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का समना करना पड़ रहा है। सड़कों के रूके कामों की वजह को जानने के लिए अब सेंट्रल से राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक की एक टीम अगले महीने छत्तीसगढ़ के दौरे पर आने वाली है।

अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य में कुल 1820 किलोमीटर लंबी सड़कें स्वीकृत की गई थी, लेकिन अब तक 196.33 किलोमीटर सड़कों का ही निर्माण पूरा हुआ है। यही कारण है कि राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक सालवे विवेक भाऊराव सरगुजा, रायगढ़ एवं जांजगीर चांपा, राम प्रकाश सिंह कोण्डागांव एवं नारायणपुर, बिमल कुमार टिक्कू बीजापुर एवं सुकमा जिलों का दौरा करेंगे।

प्रदेश में जल्द ही शुरू हो जाएगी खुली जेल

मुख्य सचिव ने हाईकोर्ट को दी ये जानकारी

बिलासपुर,16 अप्रैल 2024(ए)। हाई कोर्ट बिलासपुर में प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों को रखकर उनके साथ अमानवीय व्यवहार किये जाने को लेकर दायर याचिका पर मुख्य सचिव की ओर से हाईकोर्ट में जवाब पेश किया गया है। मुख्य सचिव ने बताया है कि जुलाई माह में बेमेतरा जिले में प्रदेश की पहली खुली जेल शुरू कर दी जाएगी। इसके अलावा रायपुर व बिलासपुर में विशेष जेलों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है।

बंदियों के साथ अमानवीय व्यव्हार का आरोप

हाई कोर्ट में अधिवक्ता शिवराज सिंह चौहान ने जेलों में ओवरक्राउड को लेकर एक जनहित याचिका दायर की थी। उन्होंने एक आवेदन देकर यह भी बताया था कि क्षमता से अधिक बंदी होने के कारण कैदियों के साथ अमानवीय बर्ताव होता है।

न्यायमित्र ने दी ये रिपोर्ट

चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने जेलों की स्थिति पर रिपोर्ट देने के लिए अधिवक्ता रणबीर सिंह मरहास को न्याय मित्र नियुक्त किया था। इसमें बताया गया था कि नई जेल निर्माणाधीन हैं तथा बंदियों को वर्तमान में अमानवीय परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कोर्ट ने मुख्य सचिव को जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

युवक-युवतियों के बीच जमकर मारपीट

बिलासपुर,16 अप्रैल 2024 (ए)। बिलासपुर के 36 मॉल स्थित तंत्रा बार में देर रात युवक-युवतियों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान लड़कों के एक गुट ने बेल्ट और लात-घूंसों से युवक-युवतियों की बेहरमी से पिटाई की। जिसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।विवाद की जानकारी मिलने पर पुलिस ने बार में दबिश दी, तो यहां देर रात तक युवक-युवतियां शराब पीकर डांस करते मिले।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)